RNI NO: UPHIN/2023/89251

वर्ष : 02
अंक : 320
मंगलवार 27 अक्टूबर 2026
मूल्य : 02 रूपये
पृष्ठ : 08
कुशीनगर से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इंडिपेंडेंट भारत



पेज-2 कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग...
पेज-3 1 नवंबर को ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज.....
पेज-4 चोरी के मामले में फरार तीन वांछितों के घर नोटिस....

संक्षिप्त समाचार

राहुल के खिलाफ मानहानि मामले में फैसला आज

सुल्तानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली सांसद



राहुल गांधी के खिलाफ सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए अदालत में चल रहे मानहानि मामले में आज 26 अक्टूबर को फैसला आएगा। इस दौरान राहुल गांधी मौजूद रहेंगे। वे लखनऊ से एक्सप्रेस वे के रास्ते 11 बजे यहां पहुंचेंगे। मामला वर्ष 2018 का है। जब राहुल ने में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान अमित शाह को कथित तौर पर हत्यारा कहने के आरोप में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने परिवाद दाखिल किया था।

उपराष्ट्रपति दो दिवसीय आंध्र प्रदेश के दौरे पर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 26-27 अक्टूबर को



आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति विजयवाड़ा में डॉ. एनटीआर स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की 40वीं (रूबी जयंती) वर्षगांठ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

उत्तराखंड में आया 3.7 तीव्रता का भूकंप

देहरादून। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक दोपहर 12:51 बजे 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। अभी तक किसी तरह की जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

मशहूर चित्रकार जोगेन चौधरी का निधन

कोलकाता। मशहूर चित्रकार और महान कलाकार जोगेन चौधरी का



रविवार को निधन हो गया। उनके निधन पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने दुख जताया। जोगेन चौधरी भारतीय आधुनिक कला के प्रमुख कलाकारों में शामिल थे।

गांजा तस्कर खिड़की तोड़कर फरार, दो आरक्षक निलंबित

जयपुर। धौलपुर जिले में 261 किलो गांजा बरामद होने के मामले में पकड़ा गया व्यक्ति दिहौली थाने के हवालात की खिड़की तोड़कर फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में दो कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया है। दुर्ग पुलिस की टीम कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद रीना अख्तर से जुड़े मामले में पश्चिम बंगाल पहुंची। विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के बाद 23 अक्टूबर को रीना अख्तर को नियमानुसार भारत से बाहर भेज दिया गया।

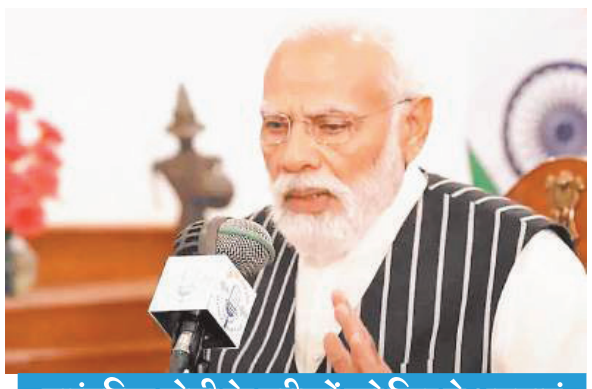
मन की बात | दिवाली से पहले प्रधानमंत्री की नागरिकों से अपील

स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को खरीद कर उन्हें करें सम्मानित

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देश में दिवाली की तैयारियों के जोर पकड़ने के बीच नागरिकों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने और 'वोकल फॉर लोकल' पहल को मजबूत करने का आग्रह किया।

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उत्पादों की सफलता पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि बिहार का 'मखाना' और कर्नाटक की 'अरहर दाल' को दुनिया भर में नए बाजार मिल रहे हैं जबकि महाराष्ट्र के आदिवासी उत्पादों को ऐसी पैकेजिंग के जरिए पहचान मिल रही है जो आदिवासी कला की समृद्धि को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि खादी की लोकप्रियता बढ़ रही है जिससे उन कारीगरों को मदद मिल रही है जिनके हुनर से हमारी परंपराएं जीवित हैं। आइए स्थानीय कारीगरों के बनाए उत्पादों को चुनकर 'वोकल फॉर लोकल' पहल को मजबूत करें।



पारंपरिक खेती के तरीकों को फिर से अपनाएं

मोदी ने पंजाब में पारंपरिक खेती के तरीकों को फिर से अपनाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि 'खेती विरासत मिशन' नामक संगठन ने जैविक खेती और पारंपरिक कृषि के तौर-तरीकों को नया जीवन देना शुरू किया। इस पहल को नाम दिया गया 'नव-त्रिन्जन'। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत यहां रसायन का इस्तेमाल किए बिना जैविक कपास उगाई जाती है। मोदी ने उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के लोगों के बारे में भी बात की। मोदी ने कहा कि ऐसे में स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों ने मिलकर 'हेवल' नदी को बचाने का अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के दौरान बारिश का पानी रोकने के उपाय हुए, जमीन में पानी पहुंचाने के लिए काम हुआ और बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए। इस प्रयास से 'हेवल' नदी को नया जीवनदान मिला है।

लोगों के प्रयासों को जानने की तीर्थयात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को 12 वर्ष पूरे हो गए हैं। विजयदशमी के अवसर पर 12 वर्ष पहले उन्होंने रेडियो को लोगों से संवाद करने का माध्यम चुना था। प्रधानमंत्री ने इन वर्षों की अपनी संवाद यात्रा को लोगों के प्रयासों को जानने की तीर्थयात्रा बताया। मन की बाद के 139वें एपीसोड में प्रधानमंत्री ने आज कहा कि मेरे लिए मन की बात किसी तीर्थयात्रा से कम नहीं है- यह हमारे लोगों के प्रयासों को गहराई से समझने और उनके योगदान को सलाम करने की यात्रा है।

संघर्षों की कीमत चुका रही दुनिया भारत की आवाज है वैश्विक भावना

■ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को कहा है कि दुनिया आज दो बड़े संघर्षों-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में उलझी है और इसकी सबसे बड़ी कीमत वे समाज और अर्थव्यवस्थाएं चुका रही हैं जिनका इन संघर्षों से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में हम असहाय दर्शक बनकर नहीं रह सकते। भारत संवाद और कूटनीति पर बल देकर असल में वैश्विक भावना को व्यक्त करता है और इस दिशा में अन्य साझेदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आज कहा कि जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं, वैश्वीकृत बाजारों और साझा संसाधनों के युग में दुनिया आधी समृद्ध और आधी वंचित रहकर प्रगति नहीं कर सकती। यह निरंतर अस्थिरता बनाये रखने का ही माध्यम है। जयशंकर ने कहा कि एआई में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता है, लेकिन इतनी प्रभावशाली तकनीक को केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

जबलपुर में सरसंघचालक ने महाविद्यालयीन युवाओं से किया संवाद

देश तोड़ने की कीमत पर आंदोलन स्वीकार नहीं : डॉ. मोहन भागवत

■ कहा- हमें सबसे पहले अपने आप को ठीक करना है, हम ठीक हो गए, तो सब ठीक होगा

■ जबलपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने छात्र आंदोलन की परंपरा का स्वागत करते हुए आंदोलन की नीयत और लक्ष्यों पर भी बात करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करना गलत नहीं है, बल्कि यह ठीक ही है। छात्रों और सरकार के बीच जारी वर्तमान गतिरोध को उन्होंने विवाद मानने से इनकार किया। डॉ. भागवत ने जोर देकर कहा कि देश को तोड़ने की मानसिकता से होने वाले आंदोलन स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

डॉ. भागवत रविवार को जबलपुर के श्रीराम कॉलेज में महाकौशल प्रांत के महाविद्यालयीन छात्रों के साथ संवाद कर रहे थे। डॉ. भागवत इन दिनों तीन दिन के प्रवास पर जबलपुर में हैं। एक सवाल के जवाब में डॉ. भागवत ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि



सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कोई संबंध नहीं है, हां संघ के लोग जरूर सरकार में है। संघ विचार से प्रेरित संगठन स्वयं अपने संसाधनों से चलाते हैं, वे किसी से कोई धन नहीं लेते हैं। खुद के समर्पण से वे संगठन चलाते हैं।

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ का काम व्यक्ति निर्माण है। व्यक्ति निर्माण में सारे अच्छे गुण शामिल हैं और संघ के व्यक्ति निर्माण में सदगुणों के साथ राष्ट्रीयता के लिए समर्पित होने का भाव सिखाया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज संघ में जो लोग हैं, वे बदले में कुछ पाने के लिए नहीं आए हैं, वे स्वयं को संघ का घटक मानते हैं, और इसी संकल्प के साथ वे संघ में काम करते हैं। इसी आधार पर हम कहते हैं कि सब मिलकर संघ को चलाते हैं।

समाज में वैचारिक विभाजन की प्रवृत्ति और संस्कारों की कमी संबंधी सवाल पर डॉ. भागवत ने कहा कि हमें सबसे पहले अपने को ठीक करना है, अगर हम ठीक हो गए, तो सब कुछ ठीक होगा। कार्यक्रम के समापन सत्र में उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में भागीदार होने की बात कही।

संकट में सहायता करना हिन्दू का स्वभाव

डॉ. भागवत ने कहा कि हिन्दू धर्म मानव धर्म है। इसका उदाहरण हमें कोरोना के समय देखने को मिला। सभी ने एक दूसरे की सहायता की। जो संकट में था, उसे सहारा दिया और जिस तरह से कोरोना आया, उसी तरह से वह चला भी गया। संवाद के बीच डॉ. भागवत ने लव जिहाद, मतांतरण जैसे मुद्दों पर भी युवाओं के सवालों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट किया।

हंगामा : पटना में प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने की विवादित टिप्पणी

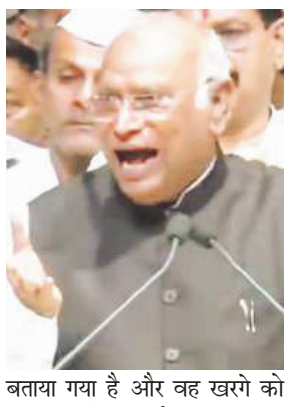
आपत्तिजनक बयान के बाद बुरे फंसे खरगे

■ भाजपा नेताओं ने की माफी मांगने की मांग

■ पटना

पटना में रविवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय हंगामा मच गया, जब खुद को कांग्रेसी बताने वाले एक युवक ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी की। युवक ने कथित तौर पर कहा कि इस तरह की लड़ाई से 'पीएम मोदी' नहीं जाने वाले। इस पर खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर बेहद आपत्तिजनक शब्द बोल दिए, जिससे हंगामा हो गया। साथ ही, कुछ लोगों ने युवक के साथ मारपीट भी की।

युवक छपरा जिला निवासी



बताया गया है और वह खरगे को यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि इस तरह की राजनीतिक लड़ाई से नरेंद्र मोदी को सत्ता से नहीं हटाया जा सकेगा। दोनों के बीच हुई बातचीत को लेकर कार्यक्रम में हंगामे की स्थिति बन गई। उधर, इस बयान के बाद हंगामा मच गया। भाजपा नेताओं ने माफी मांगने की मांग भी की है।

अमित शाह बोले- राजनीतिक मर्यादाएं तार-तार हुईं



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खरगे की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक विरोध में मर्यादाओं का उल्लंघन कर रही है। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मर्यादाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी या उनके परिवार के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। शाह ने कहा कि कभी प्रधानमंत्री की मां के बारे में अपशब्द कहे गए, कभी उन्हें 'मौत का सौदागर' कहा गया, तो कभी 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया गया।

कांग्रेस शिष्टाचार-विहीन



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी खरगे की आलोचना करते हुए कहा कि जिस प्रकार की अमर्यादित और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया गया, वह कांग्रेस के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है। राजनीतिक विरोध की भी एक गरिमा होती है, लेकिन सार्वजनिक मंच से स्वर्गीय परिजनों को भाषणों में घसीटना अब राहुल गांधी और समूचे विपक्ष का असली 'संस्कार' बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह खरगे का व्यक्तिगत बयान नहीं, बल्कि पूरी कांग्रेस की शिष्टाचार-विहीन सोच का प्रकटीकरण है।

बयान घोर निंदनीय



मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे घटिया बयानबाजी करके देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार का कांग्रेस नेताओं द्वारा निरंतर अपमान किया जा रहा है। एक बार फिर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री जी के पूज्य पिता जी के प्रति अमर्यादित एवं घोर निंदनीय वक्तव्य दिया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में पद की गरिमा को तार-तार करने वाला है।

प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता पर टिप्पणी कांग्रेस की संस्कारहीन राजनीति का प्रमाणः मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्गीय पिता को लेकर की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक हताशा में कांग्रेस अब भाषा की मर्यादा और भारतीय संस्कारों की सीमाएं भी लांघने लगी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते-करते उनके दिवंगत पिता को निशाना बनाना कांग्रेस की गिरती राजनीतिक सोच और वैचारिक दिवालियेपन को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति राजनीतिक द्वेष में कांग्रेस जिस स्तर तक उतर रही है, उसे पूरा देश देख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस



की इस संस्कारहीन और ओछी राजनीति को भली-भांति पहचान चुकी है। जब-जब कांग्रेस ने ऐसी घृणित भाषा अपनाई है, जनता ने उसे करारा जवाब दिया है। इस बार भी जनता ऐसी राजनीति को न भूलेगी, न स्वीकार करेगी और समय आने पर अपने लोकतांत्रिक अधिकार से इसका जवाब देगी। श्री साय ने कहा कि राजनीतिक विरोध की आड़ में इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी कांग्रेस की गिरी हुई सोच और संस्कारहीन राजनीति का खुला प्रमाण है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपनी टिप्पणी के लिए देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

पर्यटकों के लिए अनमोल नजारों को देखने का विरला अवसर

■ नैनीताल

शरद ऋतु में नैनीताल की पहाड़ियां प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत नजारे प्रस्तुत कर रही हैं। अक्टूबर और नवंबर का समय यहां की पर्वत श्रृंखलाओं को निहारने के लिए विशेष माना जाता है। बरसात के बाद वातावरण साफ होने से इन दिनों दूर तक दृश्यता बेहतर नजर आ रही है और ऊंची पर्वत चोटियों से हिमालय के साथ ही दूर-दूर तक फैले मैदानी क्षेत्रों का विहंगम दृश्य दिखाई दे रहा है। ऐसे में नैनीताल आने वाले पर्यटकों के लिए यह मौसम प्रकृति के अनमोल नजारों को करीब से देखने का अच्छा अवसर साबित हो रहा है।

चौखम्भा, नीलकंठ चोटियां शामिलः इन पर्वत श्रृंखलाओं में चौखम्भा, नीलकंठ, कामेत, गौरी पर्वत, हाथी पर्वत, नंदाधुंटी, त्रिशूल, मैकतोली, नंदा देवी, नंदाकोट, राजरंभा और पंचाचूली सहित अनेक प्रसिद्ध चोटियां शामिल हैं। साफ मौसम में कुमाऊं और गढ़वाल के पर्वतीय अंचलों के साथ पड़ोसी देश नेपाल की सीमाओं की ओर फैली हिमालय की चोटियों की लगभग 365 किलोमीटर लंबी श्रृंखला भी दिखाई दे रही हैं। यह दृश्य प्रकृति प्रेमियों, छायाचित्रकारों और पर्वतीय सौंदर्य में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए खास आकर्षण है।

नैना पीक 2610 मीटर और स्नो व्यू 2270 मीटर ऊंची हैः नैनीताल के नैना पीक (2610 मीटर), स्नो व्यू (2270 मीटर) और टिफिन टॉप (2292 मीटर) जैसे ऊंचे पर्वतीय स्थलों से नैनीताल नगर, नैनी झील, हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं और तराई के क्षेत्रों का विहंगम दृश्य देखा जा सकता है। किलबरी रोड से लगभग तीन किलोमीटर की पैदल चढाई कर नैना पीक पहुंचना अपने आप में बेहद रोमांचक अनुभव रहता है। यहां श्वेत-धवल चोटियों का दृश्य दिखाई देता है। वहीं 365 किमी लंबी पर्वत श्रृंखलाओं को एक साथ निहारने का अवसर मिलता है।

हल्द्वानी, रामनगर और काशीपुर क्षेत्रों के दर्शन

इन चोटियों की हवाई दूरी भी लगभग 200 किमी और नैनीताल से इनकी हवाई दूरी 150 किमी है। इन स्थलों से हल्द्वानी, रामनगर, काशीपुर, नानकमत्ता और बहेड़ी सहित दूर स्थित मैदानी क्षेत्रों के दर्शन भी हो रहे हैं। मौसम अत्यंत साफ रहने पर उत्तर प्रदेश के बरेली, रामपुर और मुरादाबाद तक के मैदानी भूभाग भी यहां दिखाई देते हैं। नैनीताल नगर और नैनी झील का विहंगम दृश्य पर्यटकों को आकर्षित करता है।

धीरे-धीरे भयावह रूप ले रहा 'अर्णव': ओडिशा के कई जिलों में स्कूलों में दो दिन की छुट्टी की घोषणा

■ अमरावती

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया है। चक्रवात 'अर्णव' धीरे-धीरे भयावह रूप ले रहा है। यह 28 अक्टूबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के तट के करीब पहुंचेगा। अनुमान है कि 28 अक्टूबर को दिन में करीब 11:30 बजे आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के दक्षिण में तट से टकरा सकता है। इस चक्रवाती तूफान का असर कई राज्यों में देखने का मिल सकता है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में अभी से भारी बारिश शुरू हो गई है।



ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने कहा कि पूर्व-मध्य और उससे सटी दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना अवदाब आने वाले दिनों में और तीव्र हो सकता है। लोगों को बेहद सतर्क रहना चाहिए।

इसरो प्रमुख ने भारतीय अंतरिक्ष मिशन की दीं कई महत्वपूर्ण जानकारियां

2029 तक भारत में होंगे चार लॉन्च पैड

■ चेन्नई

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि 2029 तक देश में चार



प्रक्षेपण स्थल चालू हो जाएंगे, जिससे भारत की अंतरिक्ष संबंधी गतिविधियों में काफी विस्तार होगा। नारायणन ने इसरो की भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर उपग्रहों के प्रक्षेपण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में 2,000 एकड़ में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के लिए एक अलग परिसर विकसित किया जाएगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में नारायणन ने बताया कि इसरो



जापान की अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से 'चंद्रयान-5' मिशन की योजना बना रहा है, जिसके तहत चंद्रमा की सतह पर 100 दिन तक प्रयोग करने के लिए 350 किलोग्राम वजन का एक रोवर भेजा जाएगा। इसरो प्रमुख ने बताया कि कुलसेकरपट्टिनम में बनने वाले अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र में ऐसी इमारतें होंगी, जहां रॉकेट के अलग-अलग हिस्सों, उपकरणों व प्रणालियों को जोड़कर प्रक्षेपण के लिए तैयार किया जाएगा।

नहीं किया जाएगा इसरो का निजीकरण

नारायणन ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो का निजीकरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में हजारों उपग्रहों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए निजी कंपनियों के साथ साझेदारी जरूरी है। उन्होंने शनिवार को यहां एक निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती गतिविधियों को संभालने के लिए इसरो स्टार्टअप और निजी कंपनियों को सहयोग देगा तथा उन्हें प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराएगा, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों में हजारों नौकरियां पैदा होंगी।

लापता हुए दो जापानी पर्वतारोहियों के शव मिले

काठमांडू। नेपाल के मनांग जिले में स्थित गंगापूर्ण हिमाल पर पर्वतारोहण के दौरान लापता हुए दो जापानी पर्वतारोहियों के शव रविवार को बरामद किए गए हैं। शवों को काठमांडू लाने की तैयारी की जा रही है। आवश्यक जांच के बाद नेपाल स्थित जापानी दूतावास के समन्वय से शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। निस्यांग गांवपालिका स्थित 7,455 मीटर ऊंचे गंगापूर्ण हिमाल पर चढ़ाई के दौरान जापानी नागरिक हिदेसुके तानेइशी और तेत्सु हाशिमोतो शुक्रवार को लापता हो गए थे।

कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत से हड़कंप, तीन सदस्यीय जांच टीम गठित



साजिद अंसारी/इंडिपेंडेंट भारत

ब्यूरो,कुशीनगर। ऑटोनॉमस मेडिकल कॉलेज कुशीनगर के हरका स्थित एकेडमिक ब्लॉक में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की एक छात्रा के साथ कथित रैगिंग का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया। आरोप है कि कुछ सीनियर छात्राएं पिछले कई दिनों से जूनियर छात्रा को परेशान कर रही थीं। शिकायत करने की बात कहने पर उसे धमकाने का भी आरोप है। छात्रा की ओर से अपने भाई को जानकारी देने के बाद यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) की वेबसाइट पर शिकायत की गई, जिसके बाद पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची। मामले को गंभीरता से लेते हुए कॉलेज के प्राचार्य ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। जानकारी के अनुसार, प्रथम वर्ष की छात्रा ने अपने भाई को फोन कर सीनियर छात्राओं द्वारा परेशान किए जाने की बात बताई थी। इसके बाद उसके भाई ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की सूचना मिलने पर रवीन्द्रनगर थाने की पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और छात्राओं से बातचीत कर मामले की जानकारी जुटाई। मामले को लेकर कॉलेज प्रशासन का कहना है कि अभी तक किसी छात्र-छात्रा ने उसके सामने रैगिंग की घटना की पुष्टि नहीं की है। प्राचार्य डॉ. केपी गौंड ने बताया कि रविवार देर रात मीडिया के माध्यम से मामले की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं से बातचीत की, लेकिन किसी ने रैगिंग की शिकायत नहीं की। सोमवार सुबह भी उन्होंने विद्यार्थियों से इस संबंध में जानकारी ली। इसके बावजूद मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी गई है। प्राचार्य के मुताबिक, कॉलेज में पहले से ही एंटी रैगिंग टीम गठित है। परिसर में जागरूकता संबंधी पोस्टर भी लगाए गए हैं, जिन पर शिकायत के लिए मोबाइल नंबर दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि वार्डन से भी मामले की जानकारी ली गई थी, लेकिन उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया गया।

हॉस्टल में निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

मामले की पड़ताल के दौरान गर्ल्स हॉस्टल के पास वार्डन की अनुपस्थिति और शिकायत के लिए लगाए गए पोस्टर पर दर्ज मोबाइल नंबरों पर संपर्क नहीं हो पाने का मामला भी सामने आया। मीडिया टीम के पहुंचने के समय वहां कोई वार्डन मौजूद नहीं मिली। पोस्टर पर दर्ज दोनों वार्डन के मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन नहीं उठा। इस स्थिति ने छात्राओं की समस्याओं की निगरानी और शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। इस संबंध में प्राचार्य ने व्यवस्था की जांच कराने की बात कही है।

पुलिस बोली शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

रवीन्द्रनगर थाने के प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यूजीसी की वेबसाइट पर शिकायत की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मेडिकल कॉलेज पहुंची थी। छात्राओं से बातचीत करने के साथ प्राचार्य से भी जानकारी ली गई। उनके मुताबिक, कॉलेज प्रशासन ने जांच टीम गठित कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने की बात कही है। पुलिस का कहना है कि मौके पर बातचीत के दौरान किसी छात्रा ने रैगिंग की घटना की पुष्टि नहीं की। शिकायतकर्ता की पूरी पहचान और संपर्क संबंधी जानकारी स्पष्ट नहीं होने के कारण भी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो सकी। पुलिस ने कहा कि तहरीर या शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिश्तेदारी में विवाद सुलझाने पहुंचे युवक की पीट-पीटकर हत्या का आरोप, मचा हड़कंप

इंडिपेंडेंट भारत





ब्यूरो,कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के रोइनवा टोला में रिश्तेदारी में चल रहे विवाद को सुलझाने पहुंचे 28 वर्षीय युवक इब्राहिम मंसूरी की मारपीट में मौत हो गई। घटना 25 और 26 अक्टूबर की मध्य रात्रि की बताई जा रही है। मृतक के पिता जाकिर मंसूरी का आरोप है कि रिश्तेदारी में विवाद की सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे थे, जहां इब्राहिम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल इब्राहिम को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फाजिलनगर और फिर जिला अस्पताल पडरौना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में नामजद तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

रिश्तेदारी का विवाद सुलझाने पहुंचे थे पिता-पुत्र

मृतक के पिता जाकिर मंसूरी ने बताया कि उनके बड़े भाई के बेटे इरशाद मंसूरी और उसकी पत्नी मुस्कान के बीच करीब 15 से 20 दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद मुस्कान अपने मायके चली गई थी। दोनों के एक पांच वर्षीय बेटा और करीब 18 माह की बेटी है। जाकिर के मुताबिक, उनके बड़े भाई नबी हुसैन अपने नाती से मिलने के लिए बहू के मायके गए थे। वहां किसी बात को लेकर बहू के परिजनों से उनका विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान नबी हुसैन के साथ मारपीट की गई। इसके बाद उन्होंने फोन कर परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी और मौके पर आने को कहा।

पिता का आरोप- पीछे से लाठी-डंडों से किया हमला

जाकिर मंसूरी ने बताया कि बड़े भाई का फोन आने पर वह अपने बेटे इब्राहिम और परिवार के दो-तीन अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे थे। परिवार के लोगों को उम्मीद थी कि रिश्तेदारी का मामला होने के कारण बातचीत के जरिए विवाद सुलझा लिया जाएगा। आरोप है कि मौके पर पहुंचने के बाद बहू के भाई सोनू समेत तीन लोगों ने इब्राहिम पर पीछे से लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में इब्राहिम गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फाजिलनगर पहुंचाया। वहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल पडरौना रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने के कुछ ही समय बाद इब्राहिम की मौत हो गई।

डायल 112 पर मिली सूचना, पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया

कुशीनगर पुलिस की ओर से 26 अक्टूबर को जारी प्रेसनोट के अनुसार, 25 और 26 अक्टूबर की मध्य रात्रि डायल 112 के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया कि इब्राहिम मंसूरी (28), निवासी कस्तूरबा, थाना चौराखास, अपनी रिश्तेदारी में रोइनवा टोला, थाना पटहेरवा क्षेत्र में आए थे। वहां पारिवारिक विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट की गई, जिसके बाद जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में थाना पटहेरवा पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है और घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

चार साल पहले हुई थी शादी, दो छोटे बच्चों को छोड़ गया इब्राहिम

इब्राहिम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों के अनुसार, उसकी शादी करीब चार साल पहले हुई थी। उसके तीन वर्षीय बेटे इमरान और आठ माह की बेटी परी है। दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। इब्राहिम तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। परिवार में उसकी एक बड़ी बहन भी है। बड़ा भाई हैदर मंसूरी मजदूरी करता है, जबकि छोटा भाई फिरोज अभी वेल्डिंग का काम सीख रहा है। पिता जाकिर मंसूरी कैटरिंग के काम में बर्तन धोकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

सीओ तमकुहीराज ने कहा- तीन नामजद आरोपी हिरासत में

इस संबंध में सीओ तमकुहीराज जयंत यादव ने बताया कि पारिवारिक विवाद में मारपीट के दौरान एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस लगातार दबिश देकर तीन नामजद अभियुक्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

24.36 लाख की लागत से बने पंचायत भवन का लोकार्पण ग्रामीणों को मिलेगी पंचायत संबंधी सुविधाएं



शिवाकांत पाण्डेय

कुशीनगर। कप्तानगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत पड़ौली के टोला सोनापाकड़ में 24 लाख 36 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण सोमवार को समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी शिवानंद सरस्वती (गोपाल जी) ने विधिवत लोकार्पण कर भवन को ग्रामीणों को समर्पित किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में अतिथियों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही। पंचायत भवन के निर्माण से ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। यहां ग्राम पंचायत की बैठकें आयोजित करने के साथ ही ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों के संचालन में भी सहूलियत मिलेगी। अब ग्रामीणों को प्रमाणपत्र, परिवार रजिस्टर, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, विकास योजनाओं की जानकारी और अन्य पंचायत संबंधी कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा । पंचायत भवन गांव के विकास कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह की अध्यक्षता अवधेश मिश्रा ने की, जबकि संचालन राजकुमार पाण्डेय ने किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष रुद्र प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजकुमार पाण्डेय, वृंदावन पाण्डेय, सुशील पाण्डेय, रामज्ञान सिंह, दीनदयाल सिंह, मुकेश पाण्डेय, अश्वनी मिश्रा, जय हिंद सिंह, लवकुश पाण्डेय, राजन चौरसिया, कमलेश यादव, विजय सिंह, आनंद पासवान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रेन में युवक को गोली मारने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

इंडिपेंडेंट भारत



ब्यूरो,कुशीनगर। तमकुही रोड रेलवे स्टेशन पर पुरानी रंजिश में युवक को गोली मारने के मामले में जीआरपी गोरखपुर ने दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी तरयासुजान थाना क्षेत्र के दोमाठ गांव के निवासी हैं। पुलिस ने उन्हें गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर से गिरफ्तार किया। इसके बाद न्यायालय में पेश कर जिला कारागार भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10:30 बजे तमकुही रोड स्टेशन पर खड़ी गोमती नगर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15114) में सवार होने पहुंचे राजन शर्मा को आरोपियों ने पुरानी रंजिश में घेर लिया। आरोप है कि ट्रेन में चढ़ते समय हमलावरों ने उनकी दाहिनी जांघ में पीछे से गोली मार दी और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मामले में विनोद शर्मा की तहरीर पर जीआरपी गोरखपुर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोविन्द चौहान (25) और राजू यादव (21), निवासी ग्राम दोमाठ, थाना तरयासुजान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों ट्रेन से दूसरे राज्य भागने की फिराक में थे। पुलिस अधीक्षक रेलवे लक्ष्मी निवास मिश्र और पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान दोनों पकड़े गए।

कुश्ती में पहलवानों ने दिखाया दमखम



तुर्कपट्टी,कुशीनगर। शारदीय पूर्णिमा के अवसर पर देवपोखर बाजार में पारंपरिक दंगल का आयोजन किया गया।इसमें दूर-दराज से आए पहलवानों ने अखाड़े में अपने दांव-पेच और कुश्ती कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। पहलवानों के दमखम और रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह रहा।इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीयविधायक सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि कुश्ती भारतीय संस्कृति की प्राचीन कला और गौरवशाली धरोहर है। ऐसे आयोजन न केवल इस पारंपरिक खेल को जीवंत बनाए रखते हैं बल्कि युवाओं में शारीरिक क्षमता,अनुशासन और खेल भावना को भी बढ़ावा देते हैं।विशिष्ट अतिथि पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फूलबदन कुशवाहा,राधेश्याम पाण्डेय क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा गोरखपुर क्षेत्र ने कहा कि कुश्ती से तन-मन स्वस्थ रहता है।जिपंस अमरेश यादव,भाजपा नेता सत्यम शुक्ला,सपा नेता राजेश्वर सिंह,धर्मेंद्र श्रीवास्तव आदि ने भी संबोधित किया।मुकाबले में मन्नू ने टाइगर,प्रदुम्न ने महफूज,सत्येन्द्र ने मन्नान नीरज ने जाहिद,छोटू ने पवन, मुकेश ने रितेश,बुल्ला ने रोहित को पटखनी दी।अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने की ने किया। रेफरी की भूमिका मायाशंकर यादव,मस्तराज यादव,व प्रमोद यादव ने निभाई। संचालन मनोज तिवारी ने किया।आयोजक ग्राम प्रधान/ प्रशासक रुद्र प्रताप उर्फ मुन्ना सिंह ने आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्ति किया।इस दौरान भोलानाथ सिंह,राम ईश्वर सिंह कमलेश सिंह,भोलानाथ सिंह, रामप्रवेश सिंह,अनिल प्रजापति,रामनारायन सिंह राहुल यादव,परशुराम सिंह कमल नयन सिंह,अभिषेक सिंह,प्रभाकर पाण्डेय,हैप्पी प्रसाद,अभिमन्यु सिंह, रमाकांत मौर्य,दुर्गेश सिंह, अर्जुन प्रसाद,राकेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

24.36 लाख की लागत से बने पंचायत भवन का लोकार्पण

कप्तानगंज के पड़ौली पंचायत के सोनापाकड़ में स्वामी शिवानंद सरस्वती ने किया उद्घाटन



इंडिपेंडेंट भारत

कुशीनगर। कप्तानगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत पड़ौली के टोला सोनापाकड़ में सोमवार को 24 लाख 36 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि स्वामी शिवानंद सरस्वती (गोपाल जी) ने विधिवत उद्घाटन कर भवन ग्रामीणों को समर्पित किया। पंचायत भवन के निर्माण से ग्रामीणों को पंचायत से जुड़े कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधाएं मिल सकेंगी। यहां ग्राम पंचायत की बैठकें आयोजित करने के साथ ही विकास योजनाओं के संचालन और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में भी सहूलियत होगी। इससे ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। समारोह की अध्यक्षता अवधेश मिश्रा ने की, जबकि संचालन राजकुमार पाण्डेय ने किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष रुद्र प्रकाश सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजकुमार पाण्डेय, वृंदावन पाण्डेय, सुशील पाण्डेय, रामज्ञान सिंह, दीनदयाल सिंह, मुकेश पाण्डेय, अश्वनी मिश्रा, जय हिंद सिंह, लवकुश पाण्डेय, राजन चौरसिया, कमलेश यादव, विजय सिंह और आनंद पासवान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शरद पूर्णिमा पर आरएसएस का खीर वितरण कार्यक्रम सम्पन्न, सैंकड़ों स्वयंसेवक रहे मौजूद



जिला कार्यवाह पंकज जी के साथ खंड संचालक अरुण जी, अभिषेक दीक्षित, विवेक शुक्ला, सुशांत दीक्षित, ऋषभ दीक्षित, संदीप, शिवम, विनय, वैभव, अनुराग, अनंत, विराट, शुभांगम, मंगल, छोटेलाल समेत दर्जनों स्वयंसेवक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना और ध्वज प्रणाम के साथ संपन्न हुआ।

पडरौना, कुशीनगर। शरद पूर्णिमा की रात यूँ तो कई समरसता कार्यक्रम आयोजित होते हैं। हालांकि उनमें आरएसएस द्वारा आयोजित बैठकी ने सबका ध्यान आकर्षित किया। पडरौना के विशुनपुरा खंड अंतर्गत सिरसिया गाँव में चाँदनी रोशनी के तले सैंकडों की संख्या में स्वयंसेवक जुटे और प्रेम सौहार्द से विचारों का आदान-प्रदान कर सबने मीठी खीर खायी। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कार्यवाह पंकज जी, खंड संचालक अरुण जी की उपस्थिति रही जिन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। जिला कार्यवाह ने कहा कि जैसे शरद के चाँद में शीतलता है, वैसे ही स्वयंसेवक के व्यवहार में शीतलता और विचार में तेज होना चाहिए। विशुनपुरा खंड में शरद पूर्णिमा में आयोजित आरएसएस की शाखा में

देश के प्रधानमंत्री,व जनता से माफी मांगे, खड़गे: तेजप्रताप



रुद्रपुर (देवरिया)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा नेता तेज प्रताप गुप्ता ने खड़गे के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा का सम्मान लोकतंत्र की परंपरा है। उन्होंने मांग की है कि खड़गे जी अपने बयान पर स्पष्टीकरण दें। तेज प्रताप गुप्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री का अपमान पूरे देश के सम्मान से जुड़ा विषय है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा की मयार्दा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि खड़गे जी के बयान से प्रधानमंत्री का अपमान हुआ है, तो उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन अपने शब्दों की जिम्मेदारी लेना भी उतना ही जरूरी है।

दुबई में फंसा गोंडा का युवक: 25 लाख के जुमार्ने ने रोकी वतन वापसी, वीडियो जारी कर बोला - पागल होकर मर जाऊंगा

6 महीने की सजा पूरी, फिर भी नहीं लौट सका घर, मां के निधन पर भी नहीं आ पाया

गोंडा। जिले के कर्नलगंज निवासी अमित मौर्य दुबई में फंस गए हैं। उसने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर भारत लौटने के लिए मदद मांगी है। अमित का दावा है कि वह जेल की सजा पूरी कर चुका है, लेकिन 25 लाख रुपये का जुमार्ना न भर पाने के कारण दुबई में फंसा हुआ है। उसने पिता की खराब तबीयत और अपनी बिगड़ती मानसिक स्थिति का हवाला देते हुए जल्द घर पहुंचाने की अपील की है। उसने कहा कि मैं पागल होकर यहीं मर जाऊंगा।

अमित ने भावुक होते हुए कहा - "आज मेरी सबसे बड़ी इच्छा सिर्फ इतनी है कि किसी तरह अपने पिता जी के पास पहुंच सकूं, उनका हाल चाल ले सकूं और उनके साथ कुछ समय बिता सकूं। लेकिन मेरी मजबूरियां इतनी ज्यादा हैं कि अकेले इस परिस्थिति से निकल पाना मेरे लिए मुश्किल हो गया है।" अमित के बीमार पिता ने बेटे की वापसी के लिए विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से मदद मांगी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है और कोई मदद नहीं मिली है। अमित मौर्य के मुताबिक, वह पिछले पांच साल से दुबई में रह रहा है। उसका कहना है कि एक झूठे मुकदमे में उसे छह महीने की जेल हुई थी, जिसकी सजा वह पूरी कर चुका है। रिहाई के बाद उस पर 25 लाख रुपये का जुमार्ना लगा दिया गया। इतनी बड़ी रकम नहीं जुटा पाने के कारण वह वापस भारत नहीं लौट पा रहा है।

वीडियो में अमित रोते हुए कहता है कि जुमार्ना न भर पाने के कारण वह दुबई में फंसा हुआ है। इसी दौरान उसकी मां का निधन हो गया, लेकिन वह मां के अंतिम समय में घर नहीं पहुंच सका। अब उसके पिता की तबीयत भी खराब है। अमित ने अपनी मानसिक स्थिति बिगड़ने की बात कहते हुए जल्द वतन वापसी कराने की गुहार लगाई है।

पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं ने जमकर भरी हुँकार



रविंद्रनगर स्थित भाजपा कार्यालय पर आज पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा का भव्य स्वागत हुआ है। पडरौना, कुशीनगर। बीजेपी कार्यकताओं ने आज पार्टी के पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा का जनपद में प्रथम आगमन पर स्वागत किया है। सुशील शर्मा को पार्टी ने बड़ा दायित्व देते हुए पिछड़ा मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया था। आज नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जनपद कुशीनगर में पहुँचे जहाँ पार्टी कार्यालय पर उनका भव्य स्वागत हुआ। कार्यकताओं ने नए जिलाध्यक्ष पर फूल-माले बरसाए और जमकर हुँकार भरी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन के प्रति समर्पण भावना रखने और पार्टी हित में काम करने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा में कार्यकताओं को जो तरजीह दी जाती है, वो कहीं नही मिलती। रविंद्रनगर स्थित पार्टी कार्यालय पर हुए भव्य स्वागत के लिए जिलाध्यक्ष ने कार्यकताओं के प्रति आभार जताया। उक्त अवसर पर विधायक खड्डा विवेकानंद पांडे, मोहन चौहान क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, सदाशिव मणि त्रिपाठी, व्यास वर्मा, बंका सिंह पटेल, विश्वरंजन आनंद समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम कुणाल गौरव की सूझबूझ से समाप्त हुआ धरना, मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा

शिवाकांत पाण्डेय



कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज तहसील अंतर्गत दुदही विकासखंड के लोहरपट्टी चिरकुटहा में पट्टे से संबंधित मांगों को लेकर कई दिनों से चल रहा था धरना एसडीएम कुणाल गौरव की पहल के बाद समाप्त हो गया। धरना स्थल पर पहुंचकर एसडीएम ने स्थिति का जायजा लिया और धरनारत लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

एसडीएम ने चिकित्सक और सीओ जयंत यादव के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने धरने पर बैठे लोगों का मेडिकल परीक्षण कराया तथा पट्टे से जुड़े विवाद को लेकर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। साथ ही, कथित अवैध कब्जे के मामले में संबंधित लोगों को नियम-कानून का पालन करने की नसीहत देते हुए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। पट्टे से संबंधित मांगों को लेकर धरनारत लोगों में आक्रोश बना हुआ था। ऐसे में एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर मामले को समझने, लोगों की समस्याएं सुनने और आवश्यक कदम उठाने की पहल की। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद धरना समाप्त होने से क्षेत्र में स्थिति सामान्य करने की दिशा में पहल हुई। मौके पर पहुंचकर समस्या सुनना और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा देना एसडीएम की सक्रियता को दशार्ता है।

सरदार पटेल जयंती पर दौड़ेगा प्रयागराज, विजेता को मिलेंगे 11 हजार रुपये

अखिल भारतीय कुर्मी महासभा द्वारा लौह पुरुष जयंती पर "रन फॉर यूनिटी"



प्रयागराज। लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर आगामी 31 अक्टूबर को प्रयागराज में ह्यरन फॉर यूनिटीह्ल के अंतर्गत 5 किलोमीटर की राष्ट्रीय एकता दौड़ आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम को लेकर आज प्रयागराज में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर सिंह पटेल जी ने किया।

यह राष्ट्रीय एकता दौड़ मेवालाल बगिया, नैनी चौराहे से सेल्फी पॉइंट, अरैल घाट तक आयोजित की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुँचाना तथा युवाओं को राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोजकों ने प्रयागराज जिले के समस्त समाज के युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन से इस राष्ट्रीय एकता दौड़ में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी जयंती पर आयोजित यह दौड़ उनके विचारों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आयोजकों ने प्रयागराज के सभी नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं राष्ट्रप्रेमियों से अपील की कि वे 31 अक्टूबर को आयोजित होने वाली इस 5 किलोमीटर की राष्ट्रीय एकता दौड़ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और सरदार वल्लभभाई पटेल जी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

गन्ने की फसल जलकर राख, आठ से अधिक किसान प्रभावित

खेत में पताली जलाते समय उठी चिंगारी से लगी आग, ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू



नेबुआ नौरंगिया (कुशीनगर)। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के मांसछपरा गांव में सोमवार को खेत में पताली जलाते समय उठी चिंगारी से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से करीब 10 एकड़ में खड़ी गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। इस घटना में आठ से अधिक किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, मांसछपरा निवासी रामप्रीत गुप्ता सोमवार दोपहर करीब तीन बजे अपने खाली खेत में पताली जला रहे थे। इसी दौरान आग की चिंगारी उड़कर बगल के गन्ने के खेत में जा गिरी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों में खड़ी गन्ने की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने के कारण किसानों को फसल बचाने का मौका तक नहीं मिला। आग से किसान कमलेश, काशी, राम आशीष, दिनेश मिश्रा, राजेश, रमेश मिश्रा, सुरेश मिश्रा और मजनू समेत अन्य किसानों की करीब 10 एकड़ गन्ने की फसल जल गई। खेतों में आग की लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। काफी देर तक चले प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक किसानों की महीनों की मेहनत जलकर राख हो चुकी थी। घटना के बाद प्रभावित किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों को हुए नुकसान का आकलन किए जाने और उचित मुआवजा दिलाए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में नेबुआ नौरंगिया थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक दिनेश साहनी ने बताया कि घटना संज्ञान में है।

प्रयागराज में भव्य रूप से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, श्रृंगवेरपुर धाम में हुआ मुख्य आयोजन



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। जनपद में महर्षि वाल्मीकि जयंती सोमवार को भव्य रूप से मनाई गई। मुख्य आयोजन श्रृंगवेरपुर धाम में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश शासन, जिला प्रशासन और अखिल भारतीय रामायण मेला समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के पीठाधीश्वर स्वामी चिदानंद मुनि महाराज रहे। इस दौरान श्रृंगी ऋषि और माता शांता का पूजन, गंगा पूजन, आरती, महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण पाठ, भजन और दीप प्रज्वलन किया गया। आयोजन में रामायण मेला समिति के सचिव उमेश चंद द्विवेदी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।इस अवसर पर हनुमानगढ़ी अयोध्या धाम के कमलनयन महाराज, अतुल महाराज, माधव महाराज, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल भंवरा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी राकेश कुमार वर्मा ने किया।श्रृंगवेरपुर के साथ ही लेटे हनुमान मंदिर, हनुमान मंदिर गोहरी रोड सोरांव, राम जानकी मंदिर सिरसा मेजा, महर्षि वाल्मीकि मंदिर लकटहा पनासा सहित जनपद के अन्य मंदिरों में भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

1 नवंबर को ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में लगेगा मेगा विधिक सहायता शिविर, तैयारियों को लेकर हुई बैठक

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। जनपद न्यायाधीश शेषमणि के निर्देशन में 1 नवंबर 2026 को ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में आयोजित होने वाले मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर की तैयारियों को लेकर सोमवार को जनपद न्यायालय सभागार में बैठक हुई। अध्यक्षता अपर जनपद न्यायाधीश/नोडल अधिकारी मेगा कैंप विनोद कुमार चौरसिया ने की। बैठक में नोडल अधिकारी ने सभी विभागों से निर्बल वर्ग, दिव्यांग, बच्चों, महिलाओं, असंगठित श्रमिकों और एससी-एसटी के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चिह्नित कर सूची उपलब्ध कराने को कहा, ताकि उन्हें शिविर में शामिल किया जा सके। शिविर में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र और डेमो चेक वितरित किए जाएंगे। व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए गए। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप्ति सिंह ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से शिविर को सफल बनाने को कहा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

देहाती मंच पर दिखी शहरी भव्यता, सेहुंडा की रामलीला में फुलवारी प्रसंग ने बिखेरी छटा - देर रात तक डटे रहे दर्शक



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

बारा/प्रयागराज। बारा तहसील के विकासखंड जसरा स्थित सेहुंडा गांव भले ही विशुद्ध देहात है, कस्बा नहीं, लेकिन यहां की रामलीला की भव्यता बड़े शहरों की रामलीलाओं को भी पीछे छोड़ रही है। रविवार की रात यहां नगर दर्शन, मीना बाजार और फुलवारी प्रसंग के मनमोहक मंचन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।मंचन की शुरूआत गुरु विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण के मिथिला नगर दर्शन से हुई। ग्रामीण कलाकारों ने जनकपुर की गलियों, महलों और बाजारों का दृश्य देहाती संसाधनों से ही इतने सजीव रूप में प्रस्तुत किया कि दर्शकों को लगा मानो मिथिला नगरी सेहुंडा में ही उतर आई हो। नगरवासियों के आतिथ्य और राम-लक्ष्मण की मर्यादित छवि ने सभी का दिल जीत लिया।इसके बाद मीना बाजार का दृश्य आया, जो रात का सबसे आकर्षक रहा। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी दुकानें, खिलौने, फूल-मालाएं और कलाकारों के हास्य-व्यंग्य भरे संवादों ने मेले जैसा माहौल बना दिया। महिलाओं और बच्चों ने इस दृश्य का विशेष आनंद लिया। दर्शकों ने कहा कि गांव में ऐसा भव्य बाजार पहली बार देखा।रात का सबसे भावपूर्ण प्रसंग रहा फुलवारी प्रसंग। जनक वाटिका में सखियों संग फूल चुनने आईं सीता और गुरु आज्ञा से बाग देखने आए राम का प्रथम नयन मिलन। सीता की सखियों का संवाद "सखि, ये बाग सुंदर कैसे?" और पृष्ठभूमि में बजता भजन "बागों में कैसे रार भई..." ने पूरे पंडाल को भावुक कर दिया। सेहुंडा रामलीला समिति ने बताया कि यह परंपरा 52 वर्षों से भी अधिक पुरानी है। किसान, मजदूर, छात्र दिन में खेतों में काम कर शाम को एकजुट होकर मंच सजाते और अभ्यास करते हैं। सोमवार रात धनुष यज्ञ का मंचन होगा।

कर्नलगंज रामलीला मैदान दशहरा हंगामा, पुलिस की एफआईआर पर पक्षपात के गंभीर आरोप

गोण्डा। कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के रामलीला मैदान में 20 अक्टूबर 2026 को दशहरा मेले के दौरान मंच पर चढ़ने को लेकर हुए हंगामे में दर्ज एफआईआर की वैधानिकता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए मेले के मुख्य आयोजक और विवाद के दूसरे पक्ष को पूरी तरह बाहर रखा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अक्टूबर को रामलीला मैदान में कार्यक्रम के दौरान विवाद हुआ। इस संबंध में 21 अक्टूबर को कस्बा चौकी इंचार्ज की तहरीर पर कोतवाली कर्नलगंज में दिवंगत विधायक कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भैया के सुपुत्र कुंवर शारदेन मोहन सिंह के 40-50 अज्ञात समर्थकों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। वैधानिक रूप से एफआईआर पर कई बड़े गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कथित तौर पर विवाद मंच पर चढ़ने को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ था। भारतीय न्याय संहिता के तहत यदि घटना में दो पक्ष शामिल हैं तो दोनों पक्षों के कृत्य की विवेचना होना न्यायसंगत है। फिर केवल एक पक्ष को अभियुक्त बनाना और दूसरे पक्ष को जांच से बाहर रखना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत माना जा रहा है।

भंभुआ के अनमोल पर 17 जिलों में शिकायत, कोतवाली में एफआईआर

गोंडा/कर्नलगंज। साइबर ठगी पर लगाम कसने के लिए थाना कोतवाली कर्नलगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। भंभुआ गांव निवासी अनमोल सविता पुत्र मुनऊ के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पर आयुष्मान कार्ड बनवाने के नाम पर भोले-भाले लोगों को झांसे में लेकर ठगी करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत एफआईआर दर्ज की है।

जंगल में तब्दील हुई सड़क, बच्चों को उठानी पड़ी फावड़ा-खुरपी

कर्नलगंज/हलधरमऊ, गोंडा। योगी सरकार जहां गांव-गांव में स्वच्छता और गड्ढामुक्त सड़कों का दावा कर रही है, वहीं गोंडा जिले के हलधरमऊ विकासखंड की हकीकत इसके उलट है। ग्राम पंचायत सोनवार के मजरा भैरवपुरवा में सिस्टम पूरी तरह फेल साबित हो रहा है। गांव को जोड़ने वाला इकलौता संपर्क मार्ग झाड़-झंखाड़ और जंगली घास उगने से जंगल में तब्दील हो गया है। वर्षों पहले डाला गया कट स्टोन टूट-टूट कर खत्म हो चुका है। ग्रामीणों के मुताबिक इस जर्जर मार्ग को लेकर कई बार ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रघुनाथ पाण्डेय से लेकर क्षेत्रीय विधायक बावन सिंह तक से सीसी रोड निर्माण की मांग की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। सुनवाई न होने से नाराज गांव के बच्चों और युवाओं ने रविवार को खुद मोर्चा संभाल लिया।



लालगंज में एमजे फिटनेस एकेडमी सुपर स्टार ऑफ लालगंज टैलेंट शो सीजन-2 का फाइनल सम्पन्न

लालगंज (रायबरेली)। एमजे फिटनेस एकेडमी की ओर से आयोजित सुपर स्टार ऑफ लालगंज टैलेंट शो सीजन-2 का ग्रैंड फिनाले रविवार को डा0 रिजवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी मनोज द्विवेदी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत चेयरमैन सरिता गुप्ता, गीतिका द्विवेदी व कांग्रेस नेता दीपेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक एसके टाइगर ने बताया कि इस मंच का उद्देश्य ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्र की छिपी प्रतिभाओं को बड़ा मंच देना है, ताकि वे आगे चलकर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने बताया कि इस टैलेंट शो में पूरे क्षेत्र के 80 प्रतिभागियों ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में डांस, मॉडलिंग, सिंगिंग और एक्टिंग विधाओं में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग (बालक व बालिका) के अन्तर्गत प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका फिल्म अभिनेत्री कल्पना रावत, फ़िल्म अभिनेता विकास कश्यप व सागर निर्मल ने निभाई। सभी विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी, मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डिम्पी तिवारी, जिकरा रहमान, नशरा रहमान, दीपिका, रिया, नेहा, डा. सलीम, अमित सोनकर सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चोरी के मामले में फरार तीन वांछितों के घर नोटिस चस्पा, पुलिस ने कराई मुनादी





इंडिपेंडेंट भारत

ब्यूरो,कुशीनगर। पडरौना कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तीन वांछित अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर धारा 85 बीएनएसएस की नोटिस चस्पा की। पुलिस ने गांव में मुनादी कराकर अभियुक्तों को निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में पेश होने की चेतावनी भी दी। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, पडरौना कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 493/2025, धारा 303(2) बीएनएस के तहत वांछित साहब बिन्द पुत्र सुखल बिन्द, मुकेश यादव पुत्र जयप्रकाश यादव उर्फ भूट्टी, निवासी बलुआ रेता तथा बन्धु यादव पुत्र मिसरी उर्फ ईश्वरी यादव, निवासी मदरहवा मूजा टोला, थाना नदी, जिला पश्चिमी चंपारण (बिहार) के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के घर पहुंचकर न्यायालय के आदेशानुसार नोटिस चस्पा की और डुगडुगी पिटवाकर मुनादी कराई। पुलिस ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर कुर्की की अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रगति जायसवाल, उपनिरीक्षक अतुल कुमार, कांस्टेबल आकाश गौड़, आरक्षी तस्लीम आरिफ सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शंकरगढ़ के सदर बाजार में अतिक्रमण से जाम के हालात, राहगीर परेशान - चेतावनी के बाद भी नहीं हट रहा कब्जा

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

शंकरगढ़, प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ के सदर बाजार में अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। फुटपाथ से लेकर सड़क तक दुकानों का सामान फैला होने और सड़क पर ही वाहन खड़े होने से बाजार में हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।स्थानीय नागरिकों के अनुसार सदर बाजार यमुनानगर का सबसे व्यस्त बाजार है। यहां रोजाना हजारों ग्राहक खरीदारी के लिए आते हैं। दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर अतिक्रमण कर सड़क तक दुकानें सजा दी गई हैं। वहीं ग्राहकों के दोपहिया और चार पहिया वाहन सड़क पर ही खड़े रहते हैं, जिससे राहगीरों को निकलने के लिए जगह नहीं मिलती। पैदल चलने वाले लोगों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी होती है।त्योहारों और साप्ताहिक बाजार के दिन हालात और बिगड़ जाते हैं। सड़क पर दुकानें लगने से जाम घंटों तक लगा रहता है और लोगों का कीमती समय बर्बाद होता है। कई बार जाम में एंबुलेंस तक फंस जाती है।बताया जा रहा है कि तहसील बारा में आयोजित समाधान दिवस और पुलिस की पीस कमेटी बैठकों में कई बार दुकानदारों को अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। चेतावनी के बाद दो-एक दिन व्यवस्था सुधरती है, फिर वही हाल हो जाता है।अब स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि केवल चेतावनी नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की जाए। अतिक्रमण हटाकर सड़क को चौड़ा किया जाए, पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और आम जनता के लिए रास्ता सुगम बनाया जाए। व्यापार के साथ-साथ जनता के चलने के अधिकार का भी सम्मान होना चाहिए।

नकहा और निघासन में युवा संसद नशामुक्त भारत का दिलाया संकल्प

लखीमपुर खीरी। 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत मेरा युवा भारत की ओर से नकहा ब्लॉक सभागार और निघासन के रकेहटी स्थित नव भारत निर्माण अकादमी में आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला युवा अधिकारी संकल्प शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रमों में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। नकहा में कार्यक्रम का शुभारंभ जिला युवा अधिकारी संकल्प शुक्ला और प्रधान संघ अध्यक्ष सुशील वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। विभिन्न सत्रों में युवाओं को माय भारत पोर्टल की जानकारी दी गई। नशामुक्ति ब्रांड एंबेसडर मनीष मिश्रा, अमृता दीक्षित, जय शंकर गिरी और रवि कुमार ने प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। संचालन युवा स्वयंसेवक दुर्गा प्रसाद नाग ने किया। वहीं, निघासन के रकेहटी में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहकारी क्रय-विक्रय समिति के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार पांडेय रहे। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक रजनीश अवस्थी ने कार्यक्रम का समन्वय किया। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को जागरूक और जिम्मेदार बनाकर नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

खीरी में रामायण संगोष्ठी में दस समाजसेवी किए गए सम्मानित

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका परिषद की ओर से आयोजित दशहरा मेला-2026 के दूसरे दिन शनिवार को रामायण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव और अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए रामायण के संदेशों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में आचार्य शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, शिव कुमार शुक्ला, साध्वी संत कुमारी, मनोज कुमार शास्त्री, देवी चरण, अनुज कुमार पाठक और उमाकांत शुक्ला ने विचार रखे। इस दौरान समाजसेवा और जनहित के क्षेत्र में योगदान देने वाले रमेश चंद्र, कमलेश यादव, जय प्रकाश मिश्रा, डॉ. बद्री विशाल, छोटे लाल पाण्डेय, वासुदेव प्रसाद शुक्ला, गंगापुत्र मनीष मिश्रा, आशू गुप्ता, डॉ. दयानंद शुक्ला और दीपचंद को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी एवं साहित्यकार राममोहन गुप्त 'अमर' ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मंजुला बरतरिया और राजकुमार त्रिवेदी सहित मेलाध्यक्ष रवींद्र रावत, मेला अधिकारी समरा सईद और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

करेंट अफेयर्स व अंग्रेजी के सवालों ने उलझाया

■ उन्नाव



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते डीएम व एसएसपी।

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के पहले दिन करेंट अफेयर्स और अंग्रेजी के सवालों ने अभ्यर्थियों को खूब उलझाया। रीजनिंग के प्रश्नों ने भी उनकी तर्कशक्ति की परीक्षा ली। अधिकांश अभ्यर्थियों को पेपर उम्मीद से कठिन लगा। 15 विषयों पर आधारित प्रश्नपत्र में सात से अधिक विषयों के सवाल हल करने में अभ्यर्थियों को परेशानी हुई। वहीं, निगेटिव मार्किंग के चलते सवालों के जवाब में तुक्का लगाने से भी अभ्यर्थी बचते नजर आए। दूसरी ओर, प्रशासन की कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और नकल माफिया की मनमानी नहीं चल सकी।

13 केंद्रों पर 71.68 फीसदी अभ्यर्थी रहे उपस्थित : शहर के 13 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों में कुल 9072 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से पहली पाली में 1302 और दूसरी पाली में 1267 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल 2569 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी, जबकि 6503 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। कुल उपस्थिति 71.68 फीसदी रही। परीक्षा अटल बिहारी, बेनहर, डीएसएन पीजी कॉलेज, डीवीडीटी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, डॉ. जीनाथजी, माउंट लिट्रा जी स्कूल, न्यू एरा, पीएम श्री बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, श्री जगन्नाथ शाह मेमोरियल पब्लिक स्कूल, श्याम कुमार सेठ और सर सैय्यद स्कूल में आयोजित की गई।

नकल और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की तलाशी लेकर मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध रहा।

सीसीटीवी और लाइव स्ट्रीमिंग से निगरानी : प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे, जबकि सेक्टर मजिस्ट्रेटों की टीमें भी निगरानी करती रहीं। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखी गई और परीक्षा की लाइव स्ट्रीमिंग कराई गई।

बंधवा में किसानों का धरना पांचवें दिन भी जारी, मांगें पूरी होने तक आंदोलन की चेतावनी

पुरवा गांव में पानी, सड़क, आवास और नाली की मांग को लेकर प्रदर्शन



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। बंधवा ग्राम सभा के पुरवा गांव में भारतीय किसान यूनियन (किसान) के नेतृत्व में ग्रामीणों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। ग्रामीण पानी, सड़क, आवास, नाली सहित मूलभूत सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। भाकियू किसान के ब्लॉक अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि क्षेत्र के मजदूर और किसान आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। समस्याओं का समाधान न होने से लोगों में नाराजगी है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से गांव की समस्याओं का जल्द निस्तारण कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। संगठन ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों की मांगें पूरी कराना प्राथमिकता है और जब तक राहत नहीं मिलती धरना जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का किया औचक निरीक्षण



फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने रविवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोलेपुर में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, टीकाकरण, उपचार एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। दोनों केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित मिलीं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नगरीय एवं ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित कीटनाशक छिड़काव, साफ-सफाई तथा मच्छरों और संक्रामक रोगों की रोकथाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को टीकाकरण, व्यक्तिगत स्वच्छता और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया। भोलेपुर केंद्र पर उन्होंने प्रसूताओं से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। प्रसूताओं ने सुविधाओं को संतोषजनक बताया।

गोष्ठी में भारती मिश्रा की 16वीं कृति 'साहित्य सारथी' का हुआ विमोचन



फर्रुखाबाद। संस्कार भारती के तत्वावधान में चीजी क्रेजी रेस्टोरेंट में रविवार को कवि सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी हुई। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका एवं साहित्यकार भारती मिश्रा की 16वीं पुस्तक 'साहित्य सारथी' का विमोचन किया गया। इस कृति में फर्रुखाबाद के 12 वरिष्ठ साहित्यकारों के साक्षात्कार संकलित हैं। विचार गोष्ठी में महर्षि वाल्मीकि के जीवन और रामायण की आधुनिक जीवन में प्रासंगिकता पर भारती मिश्रा, महेश पाल सिंह तथा कानपुर से आईं रोचना विश्नोई ने विचार व्यक्त किए। कवि सम्मेलन में उत्कर्ष अग्निहोत्री, राजेंद्र अवस्थी एवं वैभव सोमवंशी ने काव्य पाठ कर श्रोताओं को प्रभावित किया। अध्यक्षता संस्कार भारती के अध्यक्ष अनिल सिंह ने की। संयोजन अरविंद दीक्षित तथा संचालन तुसुमुल मिश्रा ने किया।

मतदेय स्थलों के पुनर्गठन पर एडीएम ने राजनीतिक दलों से मांगे प्रस्ताव



हरदोई। आसन्न विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर मतदेय स्थलों के संभाजन को लेकर शनिवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में बैठक हुई। अपर जिलाधीश (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपाली भार्गव ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके सुझावों पर समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से निर्धारित समयावधि में मतदेय स्थलों से संबंधित प्रस्ताव उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। बैठक में एसडीएम सदर गुलाब चन्द्र, एसडीएम संडीला नारायणी भाटिया, एसडीएम बिलग्राम एन. राम, एसडीएम सवायजपुर शिवानी सिंह, एसडीएम शाहाबाद अवनीश कुमार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडेय, सपा के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल, भाजपा जिला मंत्री सत्यम शुक्ला सहित अन्य दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अभिव्यक्ति की काव्य गोष्ठी में अहंकार के अंत और सत्य की विजय का संदेश



फर्रुखाबाद। साहित्यिक-सामाजिक संस्था अभिव्यक्ति के तत्वावधान में सातनपुर स्थित गुंजन बिहार कॉलोनी में शिक्षाविद सुभाष गंगवार के आवास पर मासिक काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता सुभाष गंगवार ने की तथा संचालन संस्था के संरक्षक नलिन श्रीवास्तव ने किया। शुभारंभ राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका एवं साहित्यकार भारती मिश्रा की वाणी वंदना से हुआ। गोष्ठी में दशहरे के संदर्भ में सत्य की असत्य पर विजय और अहंकार के अंत का संदेश दिया गया। नलिन श्रीवास्तव ने कहा कि छोटी-छोटी साहित्यिक गोष्ठियां कविता की कार्यशाला होती हैं, जो नए रचनाकारों को प्रोत्साहित कर उनकी लेखनी को मजबूत बनाती हैं। प्रेमसागर, डॉ. राजीव गुप्ता, भारती मिश्रा, राम अवतार शर्मा 'इंदु', धीरज यादव, संजू यादव, जितेंद्र गंगवार, काव्या गंगवार और सुभाष गंगवार ने काव्य पाठ किया।

विद्यापीठ इंटर कॉलेज की प्रबंधक चुनी गईं उमा मिश्रा



बावन। विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रबंधक पद के रविवार को हुए सीधे चुनाव में उमा मिश्रा निर्वाचित हुईं। कुल 60 में 54 मत पड़े। उमा मिश्रा को 30 और प्रतिद्वंद्वी मोनिका मिश्रा को 24 मत मिले। उमा मिश्रा बावन के पूर्व प्रधान और कॉलेज के पूर्व प्रबंधक स्व. सुधीर मिश्रा की पत्नी हैं। कुछ दिन पूर्व प्रबंधक नीलांशु मिश्रा के निधन के बाद यह पद रिक्त हो गया था। उमा मिश्रा की जीत पर समर्थकों में खुशी का माहौल रहा। उन्होंने अपनी जीत सभी शुभचिंतकों को समर्पित की।

स्नातक एमएलसी चुनाव बाद भाजपा में भीतर भीतर अकुलाहट, खुल रहीं 'मन की गिरहें'

विस चुनाव पूर्व सत्तादल के सामने दोहरी चुनौती: प्रशासनिक कार्यशैली से नाराजगी, बूथ से मंडल तक असंतोष

■ हरदोई

स्नातक एमएलसी चुनाव बीत चुका है और भाजपा के भीतर की बेचैनी अब सामने आने लगी है। कहीं कार्यकर्ता अधिकारियों की सरकार होने का आरोप लगा रहे हैं तो कहीं संगठन में अपनी उपेक्षा की शिकायत है। सोशल मीडिया पर इस्तीफे की पेशकश हो रही है और निजी बातचीत में मौजूदा एमएलसी के खिलाफ 'परिवर्तन की बयार' चलने की बात कही जा रही है। इन बिखरे संकेतों को एक साथ देखें तो आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के सामने दो मोर्चों पर चुनौती उभरती दिखती है- प्रशासनिक कार्यशैली से उपजी नाराजगी और बूथ से मंडल तक संगठन के बुनियादी ढांचे में बढ़ती असहजता।

'अबकी बार चलेगी परिवर्तन की बयार': भाजपा के कछौना मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह और उनके एक परिचित के बीच हुई वायरल बातचीत में संगठन के भीतर की खींचतान के संकेत मिलते हैं। बातचीत स्नातक एमएलसी चुनाव के संदर्भ में है। इसमें मौजूदा एमएलसी के प्रति असंतोष और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक उपेक्षा की शिकायत सुनाई देती है। बातचीत का ब्यौरा कुछ यूं है ...मण्डल अध्यक्षः रोहित भाई तांडव मचाए हैं? दूसरा व्यक्तिः अरे ना, हम कुछ मचाए-वचाए ना हैं। मण्डल अध्यक्षः अरे आप कहो 8-10 हांडी लिख दे कहो कुछ, तो हम थोड़ा सोचे मा पड़ जाइत... हमहे तो ना छूट रहे हैं, सब लोग कुछ ना कुछ लिख रहे हैं। दूसरा व्यक्तिः तुम लिख दियो। मण्डल अध्यक्षः हम बतावा... बतावा का है, हम लिख देई। दूसरा व्यक्तिः और बताओ, का हालचाल है? मण्डल अध्यक्षः लिख देओ- 'अबकी बार चलेगी परिवर्तन की बयार।' दूसरा व्यक्तिः हां, नहीं ठीक है, हमारा परिवर्तन करा देओ आके एक बार। मण्डल अध्यक्षः तुम्हारो काहे का परिवर्तन कोई कर देहै, तुम तो पांच साल से अखाड़े में हो।



हमारा सीधे 'माननीय' विरोध कर रहे, हम पइयां परोटी करत-करत परेशानः आगे दोनों के बीच बातचीत दूसरा रुख लेती है। दूसरा व्यक्तिः अरे हमारे यहां वाले अबहूं पिंड ना छोड़ैया हैं, देख रहे हो। मण्डल अध्यक्षः का तुम्हारे यहां वाले... हमारे यहां वाले तो माननीय... अब यार कहना ना चाहिए... हमारो तो विरोध सीधे माननीय जी कर रहे हैं। बातचीत आगे बढ़ती है तो मयंक सिंह अपनी राजनीतिक स्थिति और कथित उपेक्षा का जिक्र करते हैं। मण्डल अध्यक्षः हमारी बात समझो, हमारो विरोध तो सीधे माननीय जी कर रहे हैं भाई। दूसरा व्यक्तिः अरे आप स्वयं में एक ताकत हैं, लंबरदार हैं, हम कहां पंडित आदमी। मण्डल अध्यक्षः ऐसा नहीं है, हम ना कह सके भैया, ऐसा नहीं है। हम ये कह रहे हैं कि जब जो है, हमारे यहां तो सीधे माननीय जी विरोध कर रहे हैं। हम पइयां परोटी करत-करत परेशान हैं, तौ का करी, अच्छा बताओ। हम सोच रहे हैं कि अब एक दिन विधायक जी से मिली, कही कि ऐसो करो, नवीन को यहां घोषित करा लो, हम इस्तीफा दे दी। इस बातचीत को पार्टी के भीतर असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

बूथ संयोजक को लेकर हुआ था विवादः मयंक सिंह का नाम इससे पहले भी एमएलसी चुनाव के दौरान बूथ संयोजक को लेकर हुए विवाद के संदर्भ में सामने आया था। तब उनकी निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह गुड्डू से तकरार हुई थी। संजय सिंह गुड्डू अब किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष हैं। इस पुराने विवाद और हालिया बातचीत को साथ रखकर देखने पर बूथ स्तर से मंडल तक समन्वय की स्थिति पर सवाल उठते हैं।

कुलदीप कहिन-इतनी दुर्दशा कभी नहीं हुई अजीत सिंह बब्बन बोले- कार्यवाही होगी





स्नातक एमएलसी चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाएं भी संगठन की चिंता बढ़ाने वाली हैं। सांडी ग्रामीण मंडल के उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने फेसबुक पर लिखा, 'इतनी बुरी दशा भाजपा कार्यकर्ताओं की कभी नहीं हुई होगी। आज पार्टी और प्रत्याशी को जिताने में कार्यकर्ता हार गए। अधिकारियों की सरकार।' इस पोस्ट पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने जवाब दिया, 'दोषियों पर कार्यवाही होगी।' हालांकि, बब्बन ने पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याराम वर्मा प्रकरण में भी ऐसी ही बात कही थी और नतीजा सिफर रहा था। बहरहाल, कुलदीप सिंह ने शाम पांच बजे लाइव पोस्ट में सांडी थानाध्यक्ष को भाजपा विरोधी बताते हुए हटाए जाने की मांग की।

श्रीकृष्ण उवाच : सोशल मीडिया पर परेशानी जताना 'मनोरोग': कुलदीप की लाइव पोस्ट की बाबत भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री ने टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी परेशानी व्यक्त करने की प्रवृत्ति को 'मनोरोग' तक बता दिया। उन्होंने लिखा, समस्याओं के समाधान के लिए बुद्धि और विवेक से प्रयास करने के बजाय लाइव आकर अपनी पीड़ा व्यक्त करना इसका प्रमुख लक्षण है। उनकी टिप्पणी ने असंतोष के बीच संगठन के भीतर एक अलग तरह की बहस भी खड़ी कर दी।



बूथ अध्यक्ष बेटे से दिला रहे इस्तीफा: वहीं, सांडी के रामकिशोर अग्निहोत्री ने लिखा, 'मेरा छोटा बेटा बूथ अध्यक्ष है, इस्तीफा दिला रहा हूं।' यह टिप्पणी भी चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं के बीच व्याप्त नाराजगी की एक और अभिव्यक्ति है।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता ने भी खड़े किए सवाल: स्नातक एमएलसी चुनाव में मुख्यधारा के जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी चर्चा में है। जिले के तीन विधायकों, सदर से नितिन अग्रवाल, शाहाबाद से रजनी तिवारी और सवायजपुर से माधवेंद्र प्रताप सिंह 'रानू' ने ही स्नातक मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराया। दोनों सांसदों के नाम मतदाता सूचियों में नहीं होने की बात सामने आई है। यह स्थिति पार्टी के भीतर चुनाव की प्राथमिकता और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को लेकर सवाल खड़े करती है। जब चुनाव के बाद कार्यकर्ता उपेक्षा की शिकायत कर रहे हों, तब जनप्रतिनिधियों की भागीदारी का सवाल संगठनात्मक समीक्षा का विषय जरूर बनता है।

'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान

भाजपा कार्यालय पर युवा संवाद सुनी पीएम की मन की बात'



■ हरदोई

भाजपा जिला कार्यालय पर 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत 'युवा संवाद-मन की बात' में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन और सदर विधानसभा प्रभारी राजकुमार सिंह ने युवाओं से संवाद कर लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार रखे। युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' को भी सुना। बब्बन ने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की भावना और नागरिक दायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। राजकुमार सिंह ने कहा, लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से सुनिश्चित होती है।

आकाश ने दिलाई अभियान की शपथ : कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष आकाश सिंह ने युवाओं को लोकतंत्र बचाने और अराजकता हटाने की शपथ दिलाई। मंच पर जिला मंत्री सत्यम शुक्ला और निर्देश राजपूत मौजूद रहे। संचालन भाजयुमो जिला महामंत्री प्रखर अग्निहोत्री ने किया। जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, जिला सह मीडिया प्रभारी आयुष कुमार सिंह, ऋषभ कात्यायन, आकाश गुप्ता, अभय दीक्षित 'सनी', ओमवीर सिंह, अभय प्रताप सिंह, अभिषेक सिंह चौहान, हर्षित मिश्रा, हर्ष गुप्ता 'रामजी', ऋषभ त्रिपाठी, प्रखर सिंह और आदेश शुक्ला समेत बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

दोनों पालियों में 5,589 अभ्यर्थियों ने दी पीईटी, डीएम एसपी ने बनाए रखी नजर

हरदोई। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 रविवार को जिले के नौ केंद्रों पर दो पालियों में हुई। पहली पाली में पंजीकृत 4,032 अभ्यर्थियों में 2,773 उपस्थित और 1,259 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में 2,816 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,216 अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में कुल 5,589 अभ्यर्थी उपस्थित और 2,475 अनुपस्थित रहे। जिला मजिस्ट्रेट राहुल पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने पहली पाली में राजकीय इंटर कॉलेज, वेणी माधव विद्यापीठ बालिका इंटर कॉलेज, आर्य कन्या महाविद्यालय, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और आरआर इंटर कॉलेज तथा दूसरी पाली में सेंट जेवियर्स हाईस्कूल और महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थित केंद्रों पर व्यवस्थाएं देखीं। डीएम ने कंट्रोल रूम और सीसीटीवी कैमरों के संचालन का जायजा लिया।

कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न हुई पीईटी, 11,184 अभ्यर्थी हुए शामिल

13 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, 512 पुलिसकर्मियों की तैनाती से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

■ सीतापुर

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) रविवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकलविहीन कराने के लिए प्रशासन ने 13 केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। दो पालियों में हुई परीक्षा में कुल 11,184 अभ्यर्थियों के शामिल होने की व्यवस्था थी। केंद्रों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास भी निगरानी रखी गई, जिससे व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित थी। प्रत्येक पाली में 5,592 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की जांच की गई, ताकि कोई प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष तक न पहुंच सके।

512 पुलिसकर्मियों ने संभाली सुरक्षा : परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से सात क्षेत्राधिकारियों (सीओ), 13 निरीक्षकों और 26 उपनिरीक्षकों समेत कुल 512 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मियों ने परीक्षा केंद्रों के



प्रवेश द्वारों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी रखी। प्रशासन का जोर परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी तरह की अनियमितता को रोकने पर रहा।

तीन स्तरों पर हुई तलाशी : परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की तीन स्तरों पर सघन जांच की गई। जांच के दौरान आभूषण, माला और धागे तक उतरवाए गए। विवाहित महिला अभ्यर्थियों को पायल और चूड़ियां उतारकर अपने परिजनों को सौंपनी पड़ीं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में फोटो कॉपी की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए थे। केंद्रों के आसपास भी पुलिस की निगरानी रही। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क रहा। प्रवेश से लेकर परीक्षा समाप्त होने तक केंद्रों पर निगरानी रखी गई।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कल फर्रुखाबाद में

फर्रुखाबाद। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को फर्रुखाबाद के भ्रमण पर रहेंगे। वह संकिसा स्थित बौद्ध स्तूप पर दर्शन-पूजन करेंगे और 86वें बुद्ध महोत्सव (बौद्ध मेला) में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 1:50 बजे संकिसा स्थित बौद्ध स्तूप पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे। दोपहर 2:15 बजे धमालोको बौद्ध विहार प्रांगण में आयोजित बुद्ध महोत्सव में सम्मिलित होंगे। यहां से वह संकिसा स्थित निरीक्षण भवन, लोक निर्माण विभाग पहुंचकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। दोपहर 3:10 बजे फर्रुखाबाद स्थित बाबा नीम करोरी धाम की तपोस्थली पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे। शाम 4:50 बजे वह सैफई हवाई पट्टी, इटावा के लिए रवाना होंगे। शाम 5:30 बजे अमौसी एयरपोर्ट, लखनऊ पहुंचेंगे।

सपा का पीडीए फर्जी, भाजपा ने दिया 75 पिछड़ी जातियों को संगठन में समायोजन : ऋषि चौरसिया

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक: संगठन विस्तार, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सम्मान पर चर्चा



■ हरदोई

भाजपा जिला कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक में प्रदेश महामंत्री ऋषि चौरसिया ने समाजवादी पार्टी के पीडीए को फर्जी बताते हुए पार्टी में पिछड़े वर्ग की भागीदारी पर जोर दिया। कहा, भाजपा ने 75 पिछड़ी जातियों को संगठन में समायोजित कर प्रतिनिधित्व दिया है। बताया, 31 अक्टूबर को प्रदेश के सभी 98 संगठनात्मक जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई जाएगी। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर प्रदेश नेतृत्व को सौंपी जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने, जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और सोशल मीडिया पर तथ्यों के आधार पर पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों का प्रचार करने का आह्वान किया। जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दिनेश पाल ने संगठन को मजबूत बनाने और पिछड़े वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ने की बात कही। बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, जिला मंत्री नीरज राजपूत, मीडिया प्रभारी अतुल सिंह चाऊंपुर, उमेश श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र राठौर, रजनीश गुप्ता, देवब्रत कुशवाहा और प्रमोद पाल समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन अरविन्द यादव ने किया।

विधायक आशू के दफ्तर में कांग्रेस वर्कर्स को बंधक बनाकर पीटने का आरोप

हरदोई। मल्लावां में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान कांग्रेस के तीन कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर असलहे के दम पर पकड़कर मारपीट करने और बंधक बनाने का आरोप लगा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडेय ने मल्लावां कोतवाली में शिकायती पत्र देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, 159 बिलग्राम-मल्लावां विधानसभा क्षेत्र के मल्लावां ब्लॉक में अभियान के तहत काम कर रहे आशीष यादव, शोभित मिश्रा और विनय दीक्षित को भाजपा से जुड़े लोगों ने जबरन पकड़ लिया। उन्हें चार से पांच घंटे तक पीटा गया। तीनों को भाजपा विधायक आशीष सिंह आशू के कार्यालय में बंद रखने और बाद में करीब चार बजे कोतवाली लाने का भी आरोप लगाया गया है।

अभाविप के राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री को भ्रातृ शोक

भाजपा नेता शिवम मिश्र तुसौरापुर का हार्ट अटैक से निधन

■ हरदोई

भाजपा कछौना मंडल के पूर्व महामंत्री शिवम मिश्र के हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। जवान मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। करीब ढाई साल पहले उनका ब्याह हुआ था। परिवार में तीन माह की बेटी है। जिस घर में नन्ही बच्ची की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब पिता के असमय चले जाने का दुःख है। शिवम चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके पिता धीरेंद्र मिश्र हैं। उनके भाई सत्यम मिश्र अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री हैं। क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत और विधायक रामपाल वर्मा ने निधन को पार्टी की अपूरणीय क्षति बताया।



बब्बन ने हृदय विदारक, सौरभ ने बताया वज्राघात : शिवम मिश्र के निधन की खबर से भाजपा के गलियारों और परिचितों में शोक है। पार्टी जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने उन्हें कर्मठ कार्यकर्ता बताते हुए निधन को अत्यंत दुखद और हृदय विदारक बताया। शोकाकुल परिजनों को अपार दुख सहने की शक्ति मिलने की प्रार्थना की। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं लखनऊ प्रभारी सौरभ मिश्र नीरज ने प्रतिक्रिया में लिखा, निःशब्द हूं, बज्राघात।

वोट चोरी के आरोपों की जांच और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग

हरगांव में कांग्रेस ने निकाली किसान अधिकार यात्रा

■ सीतापुर

हरगांव में जिला कांग्रेस कमेटी और किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसान अधिकार यात्रा निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट बचाओ-देश बचाओ' के नारे लगाए और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए। प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने वोट चोरी के आरोपों की जांच, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा उनके निर्णयों की समीक्षा की मांग की। इसके साथ ही किसानों की समस्याओं, लंबित मांगों और अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए।

कार्यक्रम के तहत कांग्रेसी पिपरा गांव



स्थित ओवरब्रिज के निकट एकत्र हुए। यहां से यात्रा शुरू हुई, जो हरगांव चौराहा, महोली तिराहा और लहरपुर रोड होते हुए सूर्यकुंड तिराहे तक पहुंची। यहीं कार्यक्रम का समापन हुआ। यात्रा में जिला कांग्रेस कमेटी और किसान कांग्रेस के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी अखिल शुक्ला और उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्य मौजूद रहे। नेताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और किसानों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।

किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को उठाती रहेगी और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग जारी रखेगी। कार्यक्रम की आयोजक जिला कांग्रेस अध्यक्ष ममता वर्मा ने कहा कि वोट चोरी का आरोप लोकतंत्र से जुड़ा गंभीर विषय है। जब तक इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं होती, कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को उठाते रहेंगे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग करेंगे।

किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्य ने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखेगी। वहीं, किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राजेश सिंह तोमर ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकारों की रक्षा आवश्यक है। उन्होंने किसानों के हक और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर संगठन की ओर से आवाज उठाते रहने की बात कही।

कौंधियारा में समाधान दिवस पर गूंजी जमीन विवाद की शिकायतें

प्रयागराज

थाना समाधान दिवस पर शनिवार को कौंधियारा थाने में फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही लोग अपनी समस्याओं को लेकर थाने पहुंचने लगे। सबसे ज्यादा शिकायतें जमीन विवाद, अवैध कब्जा और राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी से संबंधित रहीं।समाधान दिवस की अध्यक्षता नायब तहसीलदार स्नेहा शुक्ला ने की, जबकि थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय और लेखपाल दुखराज भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बारी-बारी से सभी फरियादियों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।नायब तहसीलदार स्नेहा शुक्ला ने राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर लेखपालों को मौके पर जाकर जांच और पैमाइश करने को कहा, वहीं थाना प्रभारी अनिल पांडेय ने पुलिस से जुड़े मामलों में तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया। दोनों अधिकारियों ने जोर दिया कि पुलिस और राजस्व विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि जमीन विवाद जैसे संवेदनशील मामलों का स्थायी समाधान हो सके। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और निष्पक्षता सबसे जरूरी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सीओ ने परीक्षा केंद्रों काकिया निरीक्षण



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते क्षेत्राधिकारी मधूप कुमार सिंह।

डिबाई। प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन संपन्न कराने के लिए रविवार को क्षेत्राधिकारी मधूप कुमार सिंह ने डिबाई क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों और सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस ड्यूटी, अभ्यर्थियों के आवागमन, प्रवेश-निकास द्वारों और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोकने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक नगर ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

बुलन्दशहर। प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन सम्पन्न कराने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय ने रविवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों और सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस ड्यूटी, अभ्यर्थियों के आवागमन, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अग्निकर्म कार्यशाला में11 राज्यों के 600 से अधिक जुटेंगे चिकित्सक

बुलन्दशहर। अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं जनपद आयुर्वेद सम्मेलन के तत्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, नई दिल्ली के सहयोग से 26 अक्टूबर को दिल्ली पब्लिक स्कूल के कामायनी ऑडिटोरियम में अग्निकर्म पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें 11 राज्यों के 600 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सक एवं विद्यार्थी शामिल होंगे। कार्यशाला में चयनित मरीजों का नि:शुल्क उपचार, शोध पत्र प्रस्तुति, क्विज और श्लोक वाचन प्रतियोगिता होगी। आयुर्वेद क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ वैद्यों को सम्मानित किया जाएगा। राजस्थान के कोटा से आए विशेषज्ञ डॉ. चंद्रेश तिवारी मुख्य चिकित्सक होंगे। वैद्य हितेश कौशिक ने बताया कि मरीजों की स्क्रीनिंग 22 से 24 अक्टूबर तक की गई थी। कार्यशाला में जोड़ों के दर्द, एड़ी दर्द, स्लिप्ड डिस्क, माइग्रेन, सियाटिका सहित विभिन्न रोगों के उपचार पर चर्चा होगी। औषधि निर्माताओं एवं अग्निकर्म उपकरणों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों व कवि सम्मेलन के साथ मनाई अग्रसेन जयंती

जहांगीराबाद। श्रीजी फार्म हाउस में शनिवार को महाराजा अग्रसेन सेवा समिति के तत्वावधान में अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां लक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कवि सम्मेलन ने समां बांध दिया। वहीं, समाज के वरिष्ठ सहयोगी स्वर्गीय राजकुमार अग्रवाल एवं विजय बंसल के निधन पर शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में सामाजिक एकता, भाईचारे और समाजसेवा का संदेश दिया गया।

पूर्व सैनिकों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

खुर्जा। सेवा समिति (रजि.) खुर्जा की ओर से रामलीला मैदान स्थित सेवा शिविर में पूर्व सैनिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों पूर्व सैनिकों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। अतिथियों ने सैनिकों के त्याग, वीरता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि एडवोकेट रंजना गौतम ने कहा कि सैनिक सीमाओं की रक्षा के साथ आपदा के समय भी देशवासियों की सहायता करते हैं। समिति अध्यक्ष महेश भार्गव और सचिव प्रियदर्शन भारद्वाज ने सैनिकों के योगदान की सराहना की। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल जयराज शर्मा ने आयोजन के लिए समिति का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन अनिल सक्सेना ने किया।

मकून्स प्री-स्कूल में रही डांडिया उत्सव की धूम

डिबाई। शिव कॉलोनी स्थित मकून्स प्री-स्कूल में वार्षिक डांडिया एवं गरबा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चे पारंपरिक गुजराती परिधानों में सजकर पहुंचे और शिक्षिकाओं के साथ गरबा व डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना से हुआ। स्कूल प्रबंधिका रश्मि खुराना ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जानने का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्या नीरू सिंघल ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं।

शिकारपुर सीओ ने परीक्षा केंद्र व सीसीटीवी कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण।

शिकारपुर। तहसील क्षेत्र के सलेमपुर स्थित जटपुरा मुकीमपुर इंटर कॉलेज में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (क्क्षश्रञ्ज) शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। केंद्र पर पंजीकृत 384 अभ्यर्थियों में से 225 ने परीक्षा दी, जबकि 159 अनुपस्थित रहे। सीओ शिकारपुर दीपक कुमार तिवारी ने परीक्षा केंद्र एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को परीक्षा की निष्पक्षता, गोपनीयता और शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। केंद्र पर अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा।

पथ संचलन का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत



पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों का पुष्प वर्षा कर स्वागत करते लोग।

शिकारपुर। विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने नगर में पथ संचलन निकाला। डीएपी इंटर कॉलेज से शुरू हुआ संचलन मुख्य बाजारों से होते हुए वापस कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संचलन में जिला कार्यवाह ऋषिपाल सिंह, नगर कार्यवाह मनीष जैन, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विकास गर्ग सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे। वहीं, खंडवाया स्थित रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में शस्त्र पूजन के बाद आंचरु कलां तक पथ संचलन निकाला गया। इस दौरान संघ पदाधिकारियों ने विजयदशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अन्याय पर न्याय की जीत का संदेश दिया।

जेपी विद्या मंदिर में दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

अनूपशहर। जेपी विद्या मंदिर विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय परिसर एवं सिटी कैंपस के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। शुभारंभ जीएम एजुकेशन आनंद कुमार, प्रबंधक प्रखर गर्ग, प्रधानाचार्य राजीव शर्मा, प्रधानाचार्या नीना चतुर्वेदी तथा विषय विशेषज्ञों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी, रोचक और बाल-केंद्रित बनाने के साथ ही तकनीक के उपयोग की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने शिक्षकों को निष्ठा एवं दीक्षा एप के माध्यम से शिक्षण गतिविधियों को बेहतर बनाने के तरीके बताए।

रामलीला के स्वरूपों ने हरिद्वार में गंगा स्नान कर निभाई सदियों पुरानी परंपरा

■ खैर।

ऐतिहासिक रामलीला के समापन के बाद श्री रामलीला मेला समिति खैर की ओर से परंपरागत धार्मिक आयोजन किया गया। शनिवार को रामलीला के स्वरूपों और पात्र मंडल के कलाकारों ने कमेटी पदाधिकारियों के साथ हरिद्वार पहुंचकर मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान सभी ने विधि-विधान से मां गंगा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और लोक कल्याण की कामना की।

गंगा स्नान के बाद सभी कलाकार और कमेटी पदाधिकारी हनुमान गुफा पहुंचे, जहां भजन-कीर्तन के माध्यम से प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का गुणगान किया। भक्तिमय वातावरण में आयोजित कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। आचार्य विकास शर्मा के निर्देशन में स्वरूपों ने हरिद्वार के प्रमुख सोलह पवित्र मंदिरों के दर्शन किए।



हरिद्वार में मां गंगा में स्नान कर पूजा अर्चना करते रामलीला के स्वरूप।

रामलीला के समापन के बाद निभाई जाने वाली यह परंपरा कलाकारों और कमेटी के सदस्यों को धार्मिक आस्था, आपसी प्रेम और सांस्कृतिक विरासत के सूत्र में बांधती है। इस आयोजन के माध्यम से रामलीला से जुड़े लोगों ने अपनी परंपराओं के प्रति समर्पण और श्रद्धा का परिचय दिया। इस मौके पर व्यास कांति प्रसाद शर्मा, यतेंद्र गौतम, कालीचरन विकल, सुशील शर्मा, बिजेंद्र रावत, सुपर कमेटी के अध्यक्ष पंकज रावत, रमेश चंद्र शर्मा, विराट रोहतगी, चंद्रशेखर तोमर, आचार्य विकास शर्मा, प्रधानाचार्य सुधीर शर्मा, प्रतीक रावत, अतुल बागड़िया, हरिओम गुप्ता, मेला कमेटी अध्यक्ष अनमोल शर्मा, अभिषेक गंगल, चेतन रावत, ब्रह्मा गौतम, अंकित गौतम, चिराग अग्रवाल, रोहित विकल, सोनू वर्मा, पुनीत गर्ग, विष्णु वर्मा, बृजेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

■ हनुमान गुफा में भजन-कीर्तन कर किया प्रभु श्रीराम का गुणगान

गल्ला तोड़कर साठ हजार रूपए किए पार

■ खैर।

गौमत चौराहा स्थित दुकान पर बैठे युवक को बातों में उलझाकर जालसाज युवक कुछ दूर ले गए तथा बाद में लौटकर आए युवक ने गल्ला तोडकर उसमें रखे साठ हजार रूप्या पार कर दिए। मामले में अज्ञात के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है। अहरौला निवासी बच्चू सिंह पुत्र उदयवीर सिंह की गौमत चौराहे पर डिस्पोजल क्राकरी की दुकान है। 23 अक्टूबर की दोपहर अपने पुत्र को दुकान पर बिठाकर व्यापारी घर पर खाने खाने आए थे। इसी बीच बाइक सवार दो युवक दुकाप पर आए तथा रस्सी लेने के बहाने से पुत्र को बातों में उलझाकर चौराहे की तरफले गए। बाद में एक व्यक्ति लौटकर आया तथा गल्ला तोडकर उसमें रखे साठ हजार रूपया निकाल कर ले गया। लौटकर आए पुत्र ने गल्ला देखा तो वह टूटा हुआ था तथा रूपया गायब थे। पीडित व्यापारी की सूचना पर डायल 112 ने भी घटनास्थल मौका मुआयना किया था। पीडित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ कोतवाली खैर में अभियोग दर्ज कराया गया है। एसएचओ राजीव चौधरी ने मामले की जांच सोफ चौकी इंचार्ज वैभव त्यागी को सोंपकर कार्रवाही के निर्देश दिए हैं।

मिल्क किंग चौ. वेदराम सिंह नागर की 21वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

बुलन्दशहर। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर के पूज्य पिताजी स्व. चौ. वेदराम सिंह नागर की 21वीं पुण्यतिथि पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनके सहकारिता एवं डेयरी क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, परिश्रम और समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

वाल्मीकि जयंती पर बारह लोगों ने किया रक्तदान



रक्तदान करते हुए समाज के लोग

■ खैर

महर्षि वाल्मीकि जयंती का पर्व कस्बे में हर्ष और उल्लास से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को माता मोहल्ला स्थित बाल्मीकि आश्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शांति नर्सिंग होम के तत्वावधान में लगे रक्तदान शिविर में 12 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।

नगर पालिका के वार्ड नम्बर 4 के सभासद मोहित चंदेल ने रक्तदान कर कहा कि रक्तदान जरूर करें, आपका एक छोटा सा प्रयास किसी का जीवन बचा सकता है। रक्तदान सबसे बड़ा दान है और हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है। रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले सभी महादानियों को आयोजक टीम की ओर से भगवान महर्षि वाल्मीकि का चित्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर गौरव चंदेल, नेगी चंद, हरीश, अतुल बहनवाल, आकाश वैध, अतुल पाठक आदि लोग मोजूद रहे।

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में होंगे दीपदान और रामायण पाठ

■ अलीगढ़

■ जिलाधिकारी ने गठित कीं समितियां, साफ-सफाई, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज जिले के विभिन्न मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान, वाल्मीकि रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने जिला, तहसील और विकासखंड स्तर पर समितियों का गठन किया है।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मंदिर प्रबंधन समितियों, सामाजिक संगठनों, कलाकारों और भजन मंडलियों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था समय से पूरी करने को कहा गया है।जिला स्तरीय समिति की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी करेंगे, जबकि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी और विकासखंड स्तर पर खंड विकास अधिकारी आयोजन की जिम्मेदारी संभालेंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को जिला स्तर पर समन्वयक एवं नोडल अधिकारी नामित किया गया है।क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी के अनुसार, श्री अचलेश्वर मंदिर, टप्पल स्थित श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर, जवां और दुर्गापुरी सासनी गेट स्थित वाल्मीकि मंदिर तथा श्री खेरेश्वर मंदिर सहित विभिन्न स्थलों पर कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी ने रामायण पाठ के लिए पुस्तकों और कलाकारों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों, मंदिर प्रबंधन, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से आपसी समन्वय के साथ आयोजन में भागीदारी करने की अपील की है।

बेटे की गिरफ्तारी को लेकर एसएसपी कार्यालय के बाहर किया हंगामा

■ अलीगढ़

■ केशव देव ने नोएडा से बेटे को उठाने का लगाया आरोप

■ पुलिस ने कहा-पॉक्सो न्यायालय के गैर-जमानती वारंट पर हुई गिरफ्तारी

सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित एसएसपी कार्यालय के बाहर भ्रष्टाचार विरोधी सेना के अध्यक्ष केशव देव ने अपनी पत्नी के साथ पहुंचकर बेटे की गिरफ्तारी को लेकर विरोध जताया। उन्होंने अलीगढ़ पुलिस पर बेटे मोहन को नोएडा से उठाने का आरोप लगाया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एसपी यातायात प्रवीण कुमार ने रुककर उनकी समस्या सुनी।केशव देव ने आरोप लगाया कि उनके बेटे को नोएडा से लाया गया है। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए। उनके और एक सांसद के बीच लंबे समय से न्यायालय में विवाद चलने की बात भी सामने आई है।

हालांकि, गिरफ्तारी को इस विवाद से जोड़ने संबंधी आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।वहीं, पुलिस के अनुसार मोहन पुत्र केशव देव थाना देहली गेट में दर्ज एक मुकदमे में वांछित था। उसके विरुद्ध पॉक्सो न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था। इसी वारंट के अनुपालन में पुलिस टीम ने नोएडा से उसे गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किया गया है और अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है और मौके पर शांति है।

दवा व्यापारियों ने दिखाई एकजुटता

■ व्यापारियों का सहयोग करेंगे अलीगढ सांसद

■ खैर



सांसद सतीश गौतम व भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह का स्वागत करते दवा व्यापारी

गौमत चौराहे के निकट स्थित कंचन फार्म हाउस में रविवार को कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन खैर के तत्वावधान में विधानसभा स्तरीय दवा व्यापारी सम्मेलन व शैक्षणिक कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद सतीश गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष चौ0 कृष्ण पाल सिंह उर्फ लाला प्रधान, खैर चेयरमैन संजय शर्मा, जट्टारी चेयरमैन प्रदीप बसंल एवं पिसावा चेयरमैन राजाबाबू शर्मा ने सयुंक्त रूप से किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया।

सांसद सतीश गौतम ने कहा कि दवा व्यापारी समाज के स्वास्थ्य की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष चौ0 कृष्णपाल सिंह उर्फ लाला प्रधान एडवोकेट ने भी संगठन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में मौजूद दवा व्यापारियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही शैक्षणिक कार्यशाला में नई दवाओं की जानकारी और नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य दवा व्यापारियों को आ रही विभिन्न समस्याओं को एक मंच पर उठाना था। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष दया शंकर शर्मा, चेयरमैन मोहन स्वरूप अरोरा, अध्यक्ष रामकुमार शर्मा, धीरज गंगल, अनिल शर्मा, शिखर शर्मा, उमेश अरोरा, सत्यदीप शर्मा, रमेश चंद्र आर्य, ओम प्रकाश भास्कर, गौरव शर्मा, रामपाल तोमर, बृजेश गौड़, विनोद अग्रवाल, कमल शर्मा, इमरान खान, महेश उपाध्याय, रामेश्वर दयाल शर्मा, अरविंद शर्मा, संजीव गोयल, शशांक शर्मा, रविंद्र शर्मा सहित खैर विधानसभा क्षेत्र के अनेकों दवा विक्रेता मौजूद रहे।

खराब मौसम को लेकर अलर्ट प्रशासन ने तेज की तैयारियां

अलीगढ़। खराब मौसम की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अपर जिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने और जन-धन की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।प्रशासन ने आपदा नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखने, जलभराव वाले क्षेत्रों की निगरानी, नालों की सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। किसानों को फसल और खुले में रखे अनाज की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

नागरिकों से खराब मौसम में अनावश्यक बाहर न निकलने, पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। आपदा संबंधी सूचना के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मोबाइल नंबर 9458445291 पर संपर्क किया जा सकता है।

त्योहारों और परीक्षाओं को लेकर पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

■ एसएसपी के निर्देश पर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर की तलाशी, संदिग्धों से पूछताछ

■ अलीगढ



स्टेशन का निरीक्षण करे सीओ धनंजय सिंह।

आगामी त्योहारों और परीक्षाओं के मद्देनजर अलीगढ़ पुलिस ने देर रात सघन चेकिंग अभियान चलाया। एसएसपी नीरज कुमार जादौन के निर्देश पर सीओ धनंजय सिंह के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड सहित प्रमुख स्थानों पर जांच की गई।अभियान के दौरान गांधी पार्क और बन्नादेवी थाना पुलिस ने बीडीटीएस और डॉग स्क्वॉड की सहायता से संदिग्ध व्यक्तियों और स्थानों की तलाशी ली। पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की, जबकि दो लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया।पुलिस का कहना है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और आगामी त्योहारों पर शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ाई गई है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी और जांच अभियान जारी रहेगा।

सोनू मलान बनीं महिलाओं के लिए मिसाल, बस चलाकर बनाई पहचान

■ अलीगढ



सोनू मलान

■ 23 वर्ष की उम्र में परिवहन निगम में हुईं भर्ती

जिले की खैर तहसील के जट्टारी क्षेत्र स्थित हजियापुर गांव की निवासी सोनू मलान बस चालक के रूप में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। उनकी कहानी महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने और अपने हुनर को रोजगार में बदलने की प्रेरणा देती है।सोनू मलान वर्ष 2021 में अलीगढ़ में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में बस चालक के रूप में कार्यरत हुईं। उस समय उनकी उम्र 23 वर्ष थी। उनके परिवार में तीन बहनें और एक भाई हैं। उनके पिता दिल्ली से सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। सोनू ने घर पर ट्रैक्टर चलाना सीखा और इसके बाद कानपुर में छह माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने बस चालक के रूप में काम शुरू किया। उनके अनुसार, अब तक उनके कार्यकाल में कोई दुर्घटना नहीं हुई है। सुरक्षित वाहन संचालन और कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2025-26 में सर्वश्रेष्ठ चालक का पुरस्कार मिला, जिसके साथ 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी दी गई।सोनू मलान सामाजिक माध्यमों पर भी सक्रिय हैं। फेसबुक पर उनके साढ़े छह लाख से अधिक अनुयायी हैं और यूट्यूब पर उन्हें सिल्वर बटन मिल चुका है।

बस चलाने से जुड़े उनके अनुभव और वीडियो लोगों तक पहुंचते हैं। सोनू की उपलब्धियां बताती हैं कि प्रशिक्षण, मेहनत और आत्मविश्वास के सहारे महिलाएं परिवहन जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना सकती हैं। उनका सफर दूसरी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करता है।

सुभाषितम्

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैवकुटम्बकम्॥

यह मेरा है, वह उसका है जैसे विचार केवल संकुचित मस्तिष्क वाले लोग ही सोचते हैं। विस्तृत मस्तिष्क वाले लोगों के विचार से तो वसुधा एक कुटुम्ब है।

संपादकीय

प्रदूषण मुक्त भारत का संकल्प कौन लेगा?

पिछले वर्षों की तरह इस बार भी सर्दी की दस्तक से पहले ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में पहुंच गई है। विजयादशमी के बाद एक्यूआई यानी वायु प्रदूषण का स्तर 200 के पार चला गया है। कई क्षेत्रों में एक्यूआई 300 के आसपास भी पहुंच चुका है। यानी दिल्ली की हवा फिर से जहरीली होने लगी है। वायु प्रदूषण बढ़ते ही बच्चों-बुजुर्गों का स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी होती है। आंखों और गले में जलन महसूस होती है। आने वाले समय में आसपास के राज्यों में जब धान की पराली जलाने का सिलसिला शुरू होगा तब दिल्ली में वायु प्रदूषण और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसे में दिल्ली के नागरिक चाहते हैं कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसा कोई व्यक्ति आगे आए और समय-सीमा तय कर राष्ट्रीय राजधानी को वायु प्रदूषण से मुक्त कराने की प्रतिज्ञा ले। यह मांग इसलिए उठ रही है क्योंकि पिछले वर्षों में कई योजनाएं बनी, कई बैठकें हुईं, कई विशेषज्ञ समितियां बनीं लेकिन साल दर साल स्थिति में कोई निर्णायक बदलाव नहीं दिख रहा। इसलिए नागरिक नक्सलवाद और कश्मीर जैसे जटिल मुद्दों पर दिखाई गई दृढ़ता को याद करते हुए पूछते हैं कि वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या पर वही दृढ़ता क्यों नहीं दिखती जबकि मानव स्वास्थ्य का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से कम महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि वायु प्रदूषण अब केवल पर्यावरणीय चुनौती ही नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य, आर्थिक उत्पादकता, भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा एक राष्ट्रीय संकट है। चूंकि सांस लेना जीवन की सबसे सहज प्रक्रिया है लेकिन प्रदूषित हवा इसी प्रक्रिया को स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण बना रही है। वायु प्रदूषण का असर खांसी, आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, समय से पहले मृत्यु का जोखिम भी बढ़ता है। वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का बोझ अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली पर भी पड़ता है। इस संकट का समाधान मौसमी प्रतिबंधों में नहीं बल्कि वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित दीर्घकालिक नीतियों, प्रभावी निगरानी, उत्सर्जन के स्रोतों पर नियंत्रण से ही संभव है। दरअसल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के कई कठिन मोर्चों पर समय-सीमा तय करने के साथ काम करने की अपनी एक अलग शैली दिखाई है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति का ही परिणाम है। अमित शाह ने भीष्म प्रतिज्ञा ली कि वे 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त कर देंगे तो उन्होंने यह कर भी दिखाया। अब उन्होंने पंजाब सहित पूरे देश से नशा कारोबार की समाप्ति के लिए 31 दिसंबर 2029 की समय-सीमा तय कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि वे अपनी इस प्रतिज्ञा को भी पूर्ण करने में सफल होंगे। यही कारण है कि दिल्ली सहित उत्तर भारत के नागरिक वायु प्रदूषण के प्रति भी इसी तरह की कार्य शैली देखना चाहते हैं। हालांकि वायु प्रदूषण नक्सलवाद व नशा कारोबार से अलग बहुस्रोतीय, मौसमी और अंतरराज्यीय समस्या है। जिसका कोई एक मंत्री या एक विभाग समाधान नहीं कर सकता लेकिन जब राजनीतिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही तय कर दी जाती है तो प्रशासनिक मशीनरी भी काम करना शुरू कर देती है। अमित शाह जैसी कार्य शैली का मतलब सिर्फ घोषणा नहीं है बल्कि मापने योग्य लक्ष्य, जिम्मेदार अधिकारी, नियमित समीक्षा और परिणाम पर जवाबदेही से है। वायु प्रदूषण के मामले में भी ऐसा संभव है।

पाती

प्रदूषित हवा में घुटती जिंदगी

दिल्ली सहित मध्यप्रदेश के महानगरों में बढ़ता वायु प्रदूषण जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। धूल, वाहनों से निकलता धुआँ, निर्माण कार्यों से उड़ते कण और औद्योगिक उत्सर्जन हवा को विषाक्त बना रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को साँस लेने में परेशानी, खाँसी, दमा और फेफड़ों संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि प्रदूषण रोकने के लिए योजनाएँ तो बनती हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन दिखाई नहीं देता। सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और वाहनों के धुएँ पर कठोर निगरानी समय की माँग है। नागरिकों को भी अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना चाहिए। स्वच्छ हवा जीवन का आधार है, कोई विलासिता नहीं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रदूषण के विरुद्ध ठोस कदम उठाने होंगे, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

■ राकेश शर्मा

आज का इतिहास

- 1934: महात्मा गांधी द्वारा 'अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ' की स्थापना और उद्घाटन किया गया था।
- 1947: जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ 'विलय पत्र' पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर आधिकारिक रूप से भारत का हिस्सा बना। इस दिन को जम्मू-कश्मीर में 'एक्सेशन डे' के रूप में मनाया जाता है।
- 1962: चीन के आक्रमण के बाद भारत के राष्ट्रपति द्वारा देश में पहली बार राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गई थी।
- 1969: अपोलो-11 से चंद्रमा पर उतरने वाले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और बज़ एल्ड्रिन मुंबई पहुंचे थे।
- 1979: दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति पार्क चुंग-ही की उनके ही खुफिया प्रमुख द्वारा हत्या कर दी गई थी।
- 1994: इजराइल और जॉर्डन के बीच 46 साल के युद्ध के बाद ऐतिहासिक शांति संधि पर हस्ताक्षर हुए।
- 1999: भारत के उच्चतम न्यायालय ने आजीवन कारावास की अवधि 14 वर्ष तय की थी।
- 2006: भारत में महिलाओं को घरेलू हिंसा से बचाने के लिए 'घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम' पारित किया गया।
- 2015: हिंदू कुश क्षेत्र (अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा) में 7.5 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से भारी तबाही हुई।
- 1890 : पत्रकार, समाज-सेवी, स्वतंत्रता सेनानी और कुशल राजनीतिज्ञ गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म।

भारत में अस्थिरता के विदेशी प्रयास सदा गंभीर और खतरनाक



■ आलोक मेहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने पिछले दिनों विपक्ष और कुछ बाहरी ताकतों पर देश में अराजकता फैलाकर सरकार को अस्थिर करने और 'तख्तापलट' के जरिए जल्द से जल्द सत्ता में आने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया जहां नए ऑर्डर की तलाश में है, कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं। कुछ लोग दुनिया में जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। यह पहला अवसर नहीं है। 7 मई 2024 को भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कुछ विदेशी ताकतें भारत के चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन ये प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। 21 फरवरी 2016 को उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ एनजीओ और उन लोगों के समूह, जिनके हित सरकार के कदमों से प्रभावित हुए हैं, उनकी सरकार को अस्थिर करने और बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने विदेशी धन के स्रोत और उसके इस्तेमाल का हिसाब देने की आवश्यकता पर जोर दिया था। भारत को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की आवश्यकता है, लेकिन विदेशी विनाशकारी विचारधारा से भी देश की रक्षा करनी होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेशी योगदान नियमन कानून के तहत विदेशी धन के प्रवाह और उसके उपयोग की निगरानी के मुद्दे पर स्पष्ट कहा है कि विदेशी फंडिंग से सामाजिक अशांति पैदा करने या देश की जनसांख्यिकी बदलने की कोशिश करने वाले संगठनों के प्रति सरकार नरमी नहीं बरतेगी। शाह ने आरोप लगाया कि कुछ एनजीओ विदेशी धन का दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और धार्मिक कनवर्जन के लिए कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ संगठन सरकारी कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधाएं पैदा करते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके आंदोलनों के समर्थक इन आरोपों को पूर्वाग्रही और बेबुनियाद बताने की कोशिश करते हैं, जबकि भारत की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप का सवाल किसी एक प्रधानमंत्री, राजनीतिक दल या दौर तक सीमित नहीं रहा है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय नेताओं ने समय-समय पर आशंका जताई कि देश के भीतर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने, सरकार की नीतियों को प्रभावित करने, विपक्षी समूहों को समर्थन देने और राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने में विदेशी शक्तियों की भूमिका हो सकती है।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सार्वजनिक भाषणों और राजनीतिक चर्चाओं में विदेशी हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया। उनके समकालीन कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने भी कई बार अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सीआईए का नाम लेकर ऐसे आरोप लगाए थे। उस समय मैंने स्वयं हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के संवाददाता के रूप में उनसे साक्षात्कार अथवा पत्रकार समूहों के साथ चर्चा के दौरान कही गई बातें रिपोर्ट की थीं। इंदिरा गांधी को आशंका थी कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत के स्वतंत्र निर्णयों को प्रभावित करने के प्रयास हो सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में सीआईए का नाम भारतीय राजनीतिक बहस में बार-बार आया। दूसरे देशों में गुप्त राजनीतिक गतिविधियों और सरकारों को प्रभावित करने के आरोप केवल भारत में नहीं लगते थे। ईरान, ग्वाटेमाला और चिली इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। आज यही बात बांग्लादेश, नेपाल और फ्रांस में हुई घटनाओं के संदर्भ में कही जा रही है। अब तो माओवादी-लेनिनवादी संगठन की कथित युवा नेता और कांग्रेस के साथ खड़े कई कथित एक्टिविस्ट भारत में 'रिजीम चेंज' यानी तख्तापलट की आवाज लगा रहे हैं।

वर्तमान विवाद के दौरान इंदिरा गांधी द्वारा 27 अक्टूबर 1976 को लोकसभा में दिए गए भाषण की एक बात महत्वपूर्ण है। तब मैं संसद की कार्यवाही सदन में बैठकर सुनता और रिपोर्ट करता था। श्रीमती गांधी ने कहा था, 'भाड़े के कुछ राजनीतिज्ञों की जड़ें भारत में नहीं हैं, लेकिन विदेशों में उनको भारत का नेता कहकर हाथोंहाथ लिया जाता है। वे विदेशी दूतावासों के चक्कर लगाते हैं। वे केवल चांदी के चंद टुकड़ों के लिए ही नहीं, बल्कि व्हिस्की की बोतलों, विदेश यात्राओं की लालसा या अपने बच्चों को विदेशी वजीफा पाने के लिए ऐसा करते हैं। जो कोई भारत के गौरवशाली अतीत और भारतीय जनता पर गौरव करता हो, उसे लोकतंत्र के इन तथाकथित 'मित्रों' पर लज्जा अवश्य अनुभव होगी।'

आजकल राहुल गांधी लाल कवर वाली छोटी पुस्तक को 'संविधान' की किताब कहकर सभाएं करते हैं। उन्हें इंदिरा गांधी के भाषण का एक अंश अवश्य पढ़ना चाहिए। उन्होंने संसद में कहा था, 'संविधान के लिए कुछ लोगों का कहना है कि मुख्य तत्व मूल अधिकार है, तो कुछ निर्देशक सिद्धांतों को वैसा मानते हैं। अन्य लोगों के अनुसार 'न्यायिक समीक्षा' इसका सार तत्व है। कुछ लोगों ने संवैधानिक सर्वोच्चता का सिद्धांत प्रस्तुत किया है। परंतु वास्तविक सर्वोच्चता जनता की है। संविधान एक महत्वपूर्ण दस्तावेज अवश्य है, लेकिन यह जनता की सेवा के लिए एक साधन है। लोगों को उसका आदर करना चाहिए, लेकिन उसकी खातिर लोगों की बलि नहीं दी जा सकती।'

पंजाब की स्थिति में सीमा पार से समर्थन, उग्रवादी संगठनों की गतिविधियों और विदेशी धन की भूमिका पर अलग-अलग ऐतिहासिक और सुरक्षा संबंधी चर्चाएं संसद के अंदर और बाहर होती रही हैं। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बने राजीव गांधी ने भी विदेशी शक्तियों द्वारा भारत को अस्थिर करने की आशंका सार्वजनिक रूप से व्यक्त की। लेकिन उनके मामले में संदर्भ अलग था। उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे थे, बोफोर्स सौदे का विवाद उभर चुका था और विपक्ष सरकार की जवाबदेही की मांग कर रहा था।

16 मई 1987 को दिल्ली के बोट क्लब में कांग्रेस की विशाल रैली हुई। राजीव गांधी ने अपने भाषण में विदेशी शक्तियों और उनके भारतीय सहयोगियों पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत को दबाव में लाने के लिए भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों तथा सांप्रदायिक तनावों का इस्तेमाल किया जा रहा है। फिजी में सैन्य तख्तापलट का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि वे भारत में ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देंगे। उन्होंने चिली और अफ्रीका के कुछ देशों में निर्वाचित सरकारों को हटाए जाने की घटनाओं का भी उल्लेख किया। यह भाषण ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है।

राजीव गांधी ने भी अपने विरुद्ध राजनीतिक आरोपों के बीच राष्ट्रीय संप्रभुता और विदेशी दबाव का प्रश्न उठाया। उनके कार्यकाल में ही सीआईए से जुड़े 'रामस्वरूप जासूसी कांड' पर मैंने 'नवभारत टाइम्स' में कई रिपोर्ट लिखी थीं। कानूनी नोटिस भी मिले, लेकिन बाद में 29 जनवरी 1986 को इस आरोप का उल्लेख किए बिना उनकी सरकार के दो मंत्रियों के इस्तीफे हुए। भारत की अपेक्षा अमेरिकी मीडिया में इन इस्तीफों को जासूसी कांड का उल्लेख करते हुए खबरों में प्रमुखता मिली। नरसिम्हा राव की सरकार में अमेरिकी दबाव में परमाणु परीक्षण न होने देने और एक दशक बाद कांग्रेस की मनमोहन सरकार में परमाणु समझौते के तथ्य सर्वविदित हैं। यही नहीं, सबसे अनुभवी राजनयिक और विदेश मंत्री नटवर सिंह का इस्तीफा भी उसी तरह के दबाव में लिया गया।

मोदी सरकार पर संविधान और चुनाव व्यवस्था को लेकर आरोपों तथा आंदोलनों के साथ यूरोप के लोकतांत्रिक देशों का उल्लेख बहुत किया जा रहा है। इसलिए मुझे जर्मनी के संविधान के कुछ तथ्य ध्यान में आते हैं। मैं 1979 से 1982 तक जर्मन रेडियो में हिंदी विभाग का संपादक रहा हूं और बाद में भी यूरोपीय देशों तथा अमेरिका के चुनावों में जाता रहा हूं। जर्मनी के संविधान की धारा 18 में कहा गया है, 'जब अभिव्यक्ति की, विशेषतः प्रेस की स्वतंत्रता, संगठन बनाने की स्वतंत्रता, डाक-तार आदि को गोपनीय रखने या संपत्ति तथा शरण लेने के अधिकार का दुरुपयोग स्वतंत्र रूप से बनाई गई लोकतंत्री व्यवस्था पर प्रहार के लिए किया जाए, तो ये मूल अधिकार प्रभावी नहीं माने जाएंगे।'

(लेखक पद्मश्री सम्मानित वरिष्ठ संपादक हैं)

समरसता के संकल्प से ही मिटेगा सामाजिक भेदभाव



■ डॉ. संगीता कटारे

भारतीय संस्कृति और साहित्य की समृद्ध परंपरा में महर्षि वाल्मीकि का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण है। संस्कृत साहित्य के आदिकवि और महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि ने अपने साहित्य के माध्यम से मानवता, करुणा, न्याय, त्याग और लोककल्याण का संदेश दिया। उनका प्रकटोत्सव केवल श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता के उनके आदर्शों को व्यवहार में उतारने का संकल्प लेने का दिन भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम उनके विचारों को केवल समारोहों और भाषणों तक सीमित न रखें, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस प्रयास करें।

रामायण में समरसता और मानवीय संवेदना: महर्षि वाल्मीकि की रामायण भारतीय जीवन मूल्यों की अनुपम धरोहर है। भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े केवट, निषादराज और अन्य पात्रों के प्रसंग सामाजिक आत्मीयता, सहयोग और मानवीय संबंधों की महत्ता को रेखांकित करते हैं। इन प्रसंगों का संदेश है कि समाज की वास्तविक शक्ति आपसी विश्वास, सद्भाव और परस्पर सम्मान में निहित है। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में माता सीता को आश्रय मिलना तथा लव-कुश को शिक्षा और संस्कार प्रदान किया जाना उनकी उदारता और ज्ञान परंपरा का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने लव-कुश की प्रतिभा को निखारकर यह संदेश दिया कि ज्ञान और शिक्षा किसी वर्ग विशेष की संपत्ति नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के विकास का आधार हैं। महर्षि वाल्मीकि के आदर्श हमें ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनाने की प्रेरणा देते हैं, जिसमें किसी व्यक्ति के साथ जन्म, जाति अथवा आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो।

राष्ट्रसेवा में वाल्मीकि समाज की महत्वपूर्ण भूमिका: भारतीय समाज की स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने में वाल्मीकि समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। पीढ़ियों से इस समाज के लोगों ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। उनका श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा का एक महत्वपूर्ण रूप है। कोरोना महामारी के दौरान जब भय और संक्रमण के कारण लोग अपने परिजनों के अंतिम संस्कार तक करने से हिचक रहे थे, तब सफाईकर्मियों और अंतिम संस्कार से जुड़े अनेक कर्मियों ने आगे बढ़कर मानवता की सेवा की। संकट के उस दौर में उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए समाज के सामने साहस, संवेदनशीलता और समर्पण की मिसाल प्रस्तुत की। उनके योगदान को केवल प्रशंसा के शब्दों तक सीमित रखना उचित नहीं है। उन्हें सम्मानजनक जीवन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है।



(महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर विशेष)

आउटसोर्स व्यवस्था ने बढ़ाई रोजगार की असुरक्षा: विडंबना यह है कि स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले अनेक सफाईकर्मी आज भी आर्थिक असुरक्षा और रोजगार संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आउटसोर्स व्यवस्था ने कई कर्मियों के सामने नियमित रोजगार, भविष्य की सुरक्षा और स्थायी आय को लेकर चुनौतियां खड़ी की हैं। वर्षों तक समाज की सेवा करने के बावजूद अनेक कर्मियों को स्थायित्व और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह विचारणीय प्रश्न है कि जो लोग शहरों, सार्वजनिक स्थलों और संस्थानों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उनके अपने जीवन में सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रयास क्यों नहीं दिखाई देते? सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सफाईकर्मियों को उचित वेतन, स्वास्थ्य बीमा, सुरक्षा उपकरण, सामाजिक सुरक्षा और नियमित रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

आरक्षण और सामाजिक न्याय पर गंभीर मंथन जरूरी: सामाजिक न्याय का उद्देश्य केवल संवैधानिक अधिकार देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वंचित समुदाय उन अधिकारों का वास्तविक लाभ प्राप्त कर सकें। वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों की मांग है कि अनुसूचित जाति के भीतर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से वंचित वर्गों तक आरक्षण तथा कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उपाय किए जाएं। पंजाब में वाल्मीकि और मजहबी सिख समुदायों से संबंधित आरक्षण व्यवस्थाओं का अनुभव इस विषय पर चर्चा का एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी वाल्मीकि समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति पर गंभीर विमर्श होना चाहिए। पृथक आरक्षण की मांग पर संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप विचार किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक रूप से वंचित लोगों के लिए अवसरों का विस्तार हो सके।

बाबा जीवन सिंह के साहस और समर्पण को नमन: सामाजिक समरसता, साहस और त्याग की चर्चा में बाबा जीवन सिंह का योगदान भी प्रेरणादायी है। सिख इतिहास की परंपरा के अनुसार, गुरु तेग बहादुर के बलिदान के बाद उनके शीश को सुरक्षित रूप से आनंदपुर साहिब पहुंचाने का साहसिक कार्य भाई जैता जी ने किया, जिन्हें बाद में बाबा जीवन सिंह के नाम से जाना गया। वे रंगरेटा समुदाय से संबंधित थे। गुरु गोबिंद सिंह से जुड़ा 'रंगरेटा गुरु का बेटा' संबोधन सम्मान, आत्मीयता और सामाजिक बंधुत्व का प्रेरक प्रतीक माना जाता है। यह प्रसंग बताता है कि साहस, त्याग और समर्पण के सामने सामाजिक भेदभाव का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

जयंती पर संकल्प, समाज में सम्मान: महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव का वास्तविक संदेश यही है कि सामाजिक समरसता की स्थापना केवल विचारों से नहीं, बल्कि व्यवहार में समानता सुनिश्चित करने से होगी। वाल्मीकि समाज के योगदान को सम्मान देना, सफाईकर्मियों की समस्याओं का समाधान करना, उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और रोजगार के सुरक्षित अवसर सुनिश्चित करना समय की मांग है। महर्षि वाल्मीकि ने अपने जीवन और साहित्य से मानवता को जो मार्ग दिखाया, उस पर चलकर ही हम भेदभावमुक्त और समतामूलक समाज का निर्माण कर सकते हैं। आइए, उनके प्रकटोत्सव पर संकल्प लें कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और गरिमापूर्ण जीवन मिले। यही आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के प्रति सच्ची भक्त्यांजलि और सामाजिक समरसता की दिशा में सार्थक पहल होगी।

(लेखिका जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के हिंदी विभाग में अतिथि प्राध्यापक एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल में कार्यपरिषद सदस्य हैं।)

मन में बोझ लेकर नहीं मुस्कराकर करें हर कार्य



■ बी.के. प्रहलाद
(लेखक मोटिवेशनल स्पीकर, आधात्मिक मार्गदर्शक एवं राजयोग ध्यान विशेषज्ञ हैं)

आज जब कोई किसी की फोटो निकालता है तो कहते हैं 'स्माइल प्लीज' और यदि फोटो निकालने में थोड़ी देर हो जाए तो लोग क्या कहते हैं, भाई जल्दी करो ज्यादा नहीं मुस्करा सकते अर्थात आज लोगों की मुस्कराहट कहीं न कहीं क्षणिक हो गई है। आप सोचो एक बार मुस्कराने से यदि फोटो अच्छी आ सकती है तो सदा मुस्कराने से जीवन ही अच्छा हो जाएगा। इसलिए कहा जाता है कि जीवन की आधी समस्याएं तो उसी क्षण समाप्त हो जातीं है, जब आपके चेहरे पर मुस्कराहट होती है। लेकिन आज जब लोगों से मिलते है तो अधिकतर लोगों के चेहरे पर इतना बोझ होता है ऐसा लगता है जैसे कि सारी दुनिया को यही चला रहे हो अर्थात लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट देखने को नहीं मिलती। हर व्यक्ति जल्दी में है और भाग रहा है, कहाँ भाग रहा है, यह शायद उसे भी नहीं पता। जीवन की इस भागदौड़ में हम छोटी छोटी बातों को पकड़कर बैठ जाते हैं, जिन बातों का जीवन में कोई महत्व ही नहीं है। लेकिन उन बातों को इतना बड़ा बना लेते हैं कि वह हमारे चेहरे की मुस्कराहट ही गायब कर देती हैं। यह हम सब जानते है कि जीवन है तो उतार चढ़ाव भी रहेंगे। कभी परिस्थितियां हमारे अनुकूल होगी, कभी नहीं भी होंगी। लेकिन हमें अपने चेहरे की मुस्कराहट को कभी भी गुम नहीं होने देना चाहिए। हम अक्सर दूसरों को बदलने का प्रयास करते हैं। यह जरूरी नहीं है कि हम उन्हें बदल ही पाएं। लेकिन यदि हम खुद को बदलने का प्रयास करें तो जरूर उसमें सफल होंगे। काम का बोझ मनुष्य को इतना नहीं थकाता जितना मन में आने वाले व्यर्थ और अनावश्यक विचार थका देते हैं। इसलिए जितना हो सके मन में बोझ लेकर नहीं बल्कि हर कार्य मुस्कराकर करें और मन में आने वाले विचारों को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करें। जब हर कार्य खुशी से करते हैं तो निश्चित ही जीवन में सुकून और आनंद की अनुभूति होती है।

आनंद

उसका अनुभव करने के लिए कुछ ध्यान देने योग्य बातें

1. कोई ऐसी बात जिससे चिंता या तनाव हो रहा हो, उसे पहचानकर तुरंत उससे दूरी बना लें।
2. अनावश्यक बातें जो आपके काम की नहीं हैं उन पर चिंतन न करें।
3. दूसरों को नियंत्रित करने की आदत से बचें, खुद को अनुशासित बनाएं।
4. रूटीन में कार्य करते समय बीच बीच में थोड़े समय के लिए ब्रेक लें जिससे आप अपने को हल्का और ऊर्जावान महसूस करें।
5. बात करते समय अपनी वाणीं मे मधुर और सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग करें।
6. दूसरों की मदद करना सीखें। इससे दुआएं मिलती हैं जो हमें आगे बढ़ने में मदद करती हैं।
7. यदि कभी किसी कारण सफलता नहीं भी मिलती तो निराश होने के बजाय धैर्य रखें और अपना कार्य जारी रखें।
8. अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करें, क्योंकि समय मूल्यवान हैं और जब हमारे कार्य समय पर नहीं होते तो भी मन में चिड़चिड़ापन आने लगता है और मन भारी होता है, इसलिए दिनचर्या का व्यवस्थित होना बहुत आवश्यक है।
9. अपने कार्यों की प्राथमिकता तय करें, जो महत्वपूर्ण कार्य है उनकी लिस्ट बनाकर उन्हें पहले करें। बोझ वाले काम को छोड़ दें।
10. अपने तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए थोड़ा समय प्रतिदिन अपने लिए निकालें जिसमें ध्यान, योग, प्राणायाम और वॉक आदि शामिल हो।
11. स्वयं की सराहना करने की आदत डालें, जब भी आप कोई कार्य करते है तो बीच में छोटी-छोटी सफलता के लिए दूसरा कोई आपकी सराहना करे या न करे लेकिन हम स्वयं की सराहना अवश्य करें।
12. एक समय पर एक ही कार्य करने की आदत डालें।
13. शुद्ध सात्विक भोजन करें और जल्दी सोने, जल्दी जागने की आदत डालें।
14. अपने परिवार के बीच प्रतिदिन थोड़ा समय अवश्य बिताएं। सोशल मीडिया का समय निर्धारित करें।
15. रोज रात्रि सोने से पहले ईश्वर का धन्यवाद करें। अपने उन साथी सहयोगियों के भी आभारी बनें जो आपके शुभचिंतक हैं, आपको आगे बढ़ने में मदद करते है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ''इंडिपेंडेंट भारत'' स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक जगदीश शर्मा, शर्मा प्रिन्टिग प्रेस रामपुर बगहा पो० लक्ष्मीगंज जनपद कुशीनगर उ० प्र० 274306 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
मोबाईल न०-90261 11001 संपादक जगदीश शर्मा प्रबंध संपादक मयंक कुमार सिंह Title code-UPHIN49987 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर होगा।

इश्क, जुनून और डर की कहानी है '1920: कोल्ड विंटर'



सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी जल्द विक्रम भट्ट की फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म '1920: कोल्ड विंटर' का टीजर मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए रिलीज किया। इस वीडियो में इश्क है, जुनून है, तड़प है और सबसे ज्यादा डर है। जानें कैसा है टीजर?

क्या है फिल्म के टीजर में खास?

फिल्म '1920: कोल्ड विंटर' के लगभग 3 मिनट 20 सेकेंड के इस ट्रेलर में काफी कुछ बताया गया है। वीडियो की शुरुआत एक लड़की की डायरी से होती है। वह एक जगह परबतगंज का नाम लेती है। यहीं से शुरू होता है खौफ का मंजर जहां तीन आत्मा अपने-अपने अस्तित्व और रहस्यों के बीच फंसी हुई हैं। एक लड़का जो उस लड़की से प्यार करता है जो इन सब चीजों से बुरी तरह परेशान हो रही है। अपने साथ होने वाली रोज की घटनाएं वह डायरी में लिखती जा रही है। फिल्म में अहान शेट्टी, अन्या सिंह और लारिसा बोनेसी मुख्य किरदारों में हैं।

कौन हैं निर्माता-निर्देशक?

1920 फ्रेंजाइजी की पिछली फिल्मों की तरह इस फिल्म का लेखन और निर्देशन भी विक्रम भट्ट ने किया है। वहीं फिल्म के निर्माता आनंद पंडित हैं। इस जोड़ी ने पिछली बार 'हॉन्टेड 3डी: एको ऑफ द पास्ट' में भी काम किया था। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने दिया है।



अहान शेट्टी का वर्कफ्रंट

अहान शेट्टी को आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में देखा गया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 328.33 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अहान के अलावा इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

ट्रोलिंग के बाद भी ऐसे गाने बनाती रहूंगी: नेहा



सिंगर नेहा कक्कड़ का नाम अक्सर ट्रोलर्स के बीच चर्चा में रहता है। इसका मुख्य कारण उनके और भाई सोनू कक्कड़ के बनाए गाने हैं। सिंगर टॉपिक और लिरिक्स ही ऐसे सेलेक्ट करती हैं जिसकी वजह से विवाद हो?

कैंडी शॉप गाने पर हुआ था बवाल

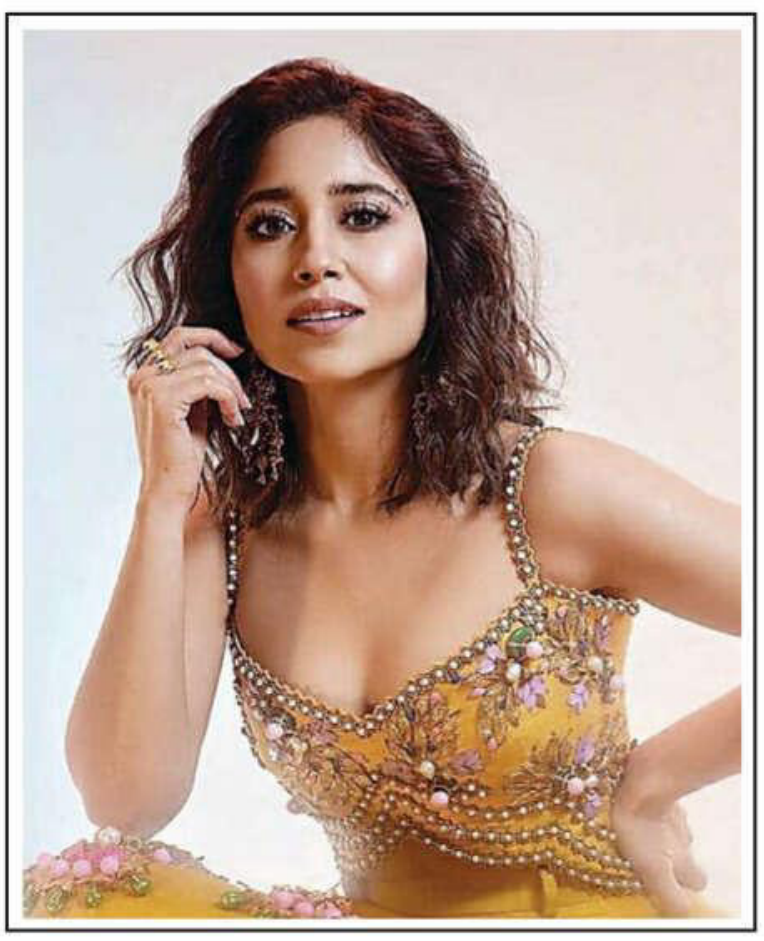
उनका एक गाना कैंडी शॉप काफी दिनों तक विवादों में रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह गाने का वीडियो और उसमें नेहा कक्कड़ के डांस मूव्स थे। सोशल मीडिया पर लोगों ने नेहा के हुक स्टेप्स को जरूरत से ज्यादा बोल्ड, अश्लील और आपत्तिजनक बताया। अब नेहा ने फाइनली इस पर अपनी बात रखते हुए बताया कि वो जानबूझकर इस तरह के गाने बनाती हैं।

नेहा ने कहा कि वो जानती हैं कि इन गानों पर विवाद होगा लेकिन वो फिर भी इसे बनाती रहेंगी। करीना कपूर के पॉडकास्ट मिर्ची प्लस पर बातचीत करते हुए नेहा ने कहा, 'अब तक तो हमें पता चल ही गया है कि 'बारह लड़के साथ घूमे' जैसे गाने बनाने के लिए लोग हमें ट्रोल करेंगे, लेकिन सच कहूं तो, हम जानबूझकर ऐसे गाने बनाते हैं। हम ऐसे गाने इसलिए बनाते हैं क्योंकि लोग इन पर जमकर नाचते हैं।'

लोग इस पर खूब नाचते हैं

ये वही गाने हैं जिन्हें लोग अपनी पार्टियों में बजाते हैं, जबकि साथ ही साथ व्यूज पाने के लिए हमें ट्रोल भी करते हैं। हमें पता है कि हमें ट्रोल किया जाएगा, लेकिन हमें यह भी पता है कि लोग इन गानों पर नाचेंगे भी, इसलिए हम गाने बनाते रहते हैं।'

इस तरह के संगीत के साथ प्रयोग करने के अपने कारण के बारे में बताते हुए, नेहा ने कहा कि वह अलग-अलग शैलियों को खोजना चाहती हैं और तरह-तरह के दर्शकों से जुड़ना चाहती हैं।



फिर लौटेगी 'मिर्जापुर' की गोलू गुप्ता

अभी कुछ दिनों पहले ही अमेजन प्राइम की पॉपुलर सीरीज 'मिर्जापुर' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों ने इसकी काफी सराहना भी की।

अब 'मिर्जापुर' के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। दरअसल लेटेस्ट खबर मिली है कि 'मिर्जापुर' की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। 'मिर्जापुर: द मूवी' की सफलता के बाद, मेकर्स अब प्राइम वीडियो सीरीज के चौथे सीजन पर काम कर रहे हैं, जो अभी डेवलपमैंट के चरण में है।

गुरमीत सिंह ने की चौथे पार्ट की पुष्टि

श्वेता त्रिपाठी 'गोलू गुप्ता' के किरदार में वापसी करने के लिए उत्साहित हैं। निर्देशक गुरमीत सिंह ने पुष्टि की है कि इसकी स्क्रिप्टिंग चल रही है। प्रोडक्शन की समय-सीमा 2027 की शुरुआत तक ही तय हो पाएगी।

श्वेता त्रिपाठी ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि जब मैंने पहली बार गोलू का किरदार निभाया था, तब वह एक शांत और पढ़ाई-लिखाई में डूबी रहने वाली लड़की थी जो शिक्षा की ताकत में यकीन रखती थी, लेकिन नुकसान, हिंसा, सत्ता और बदले की भावना ने उसे पूरी तरह बदल दिया है।

श्वेता ने कहा, 'उसका सफर मेरे लिए बहुत खास है। गोलू के अनुभवों ने उसे बदल दिया है। वह अभी भी बदल रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यही बात उसे एक इंसान बनाती है। इस किरदार को निभाते हुए एक अभिनेता के तौर पर मेरा भी विकास हुआ है, इसलिए कई मायनों में हम दोनों ने साथ-साथ विकास किया है।'

हर बार कुछ नया पता चलता है - श्वेता

श्वेता त्रिपाठी का मानना है कि तीन सीजन और एक फिल्म के बाद भी, गोलू के किरदार के विकास में अभी भी बहुत कुछ खोजना बाकी है। हर बार जब वह इस किरदार में लौटती हैं, तो उन्हें कुछ नया पता चलता है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह एक बहुत ही शानदार स्थिति है, क्योंकि आप बस वही चीज नहीं दोहरा रहे होते जो आपने पहले की है बल्कि आप एक ऐसे इंसान के पास वापस जा रहे होते हैं जिसने और भी कई अनुभवों को जिया है। आपको यह समझना होता है कि उन अनुभवों का उस पर क्या असर पड़ा है। मुझे उसके अलग-अलग पहलुओं को खोजते रहना बहुत पसंद आएगा।'

चौथे सीजन की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां तीसरे सीजन का अंत हुआ था। 'मिर्जापुर': द मूवी ने वर्ल्डवाइड 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का ग्रॉस कलैक्शन किया था।

'किंग' से टकराएगी 'शक्ति शालिनी'

फिल्म की रिलीज डेट को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा थी कि इसे साल 2027 तक टाला जा सकता है। हालांकि, अब इन खबरों पर विराम लग गया है। फिल्म तय समय पर ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनीत पड्डा की फिल्म 'शक्ति शालिनी' 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। खास बात यह है कि इसका मुकाबला सीधे शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' से होने वाला है।

अनीत पड्डा की फिल्म 'शक्ति शालिनी' उनकी मच-अवेटेड फिल्मों में से एक है। हाल ही में इसकी रिलीज डेट में बदलाव को लेकर खबरें सामने आ रहीं थीं, लेकिन अब फैंस को चिंता लेने की जरूरत नहीं है।

कब रिलीज होगी 'शक्ति शालिनी'?

फिल्म की रिलीज डेट को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा थी कि इसे साल 2027 तक टाला जा सकता है। हालांकि, अब इन खबरों पर विराम लग गया है। फिल्म तय समय पर ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनीत पड्डा की फिल्म 'शक्ति शालिनी' 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। खास बात यह है कि इसका मुकाबला सीधे शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म 'किंग' से होने वाला है।

फिल्म की रिलीज डेट की पुष्टि एक प्रमोशनल वीडियो से हुई, जिसे 'प्रहार' के साथ दिखाया गया था। इससे पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं कि शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' से टक्कर से बचने के लिए 'शक्ति शालिनी' की रिलीज आगे बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, अब फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव की खबरें सही साबित नहीं हुई हैं।



दोनों फिल्मों के एक ही दिन रिलीज होने से क्रिसमस के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। एक तरफ शाहरुख खान की एक्शन फिल्म 'किंग' है, तो दूसरी ओर अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' है, जो पॉपुलर हॉरर यूनिवर्स का हिस्सा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दर्शकों का ज्यादा प्यार किस फिल्म को मिलता है।

शाहरुख खान की 'किंग' के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का आधिकारिक ऐलान पिछले साल नवंबर में किया गया था। अभिनेता के जन्मदिन यानी 2 नवंबर को फिल्म का टाइटल रिवील वीडियो जारी हुआ था। रेड चिलीज एंटरटेनमैंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी एक्साइटमैंट है।

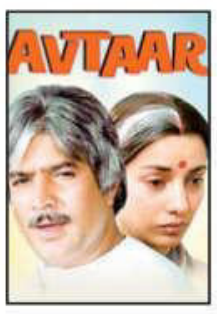
क्या है 'शक्ति शालिनी' की कहानी?

'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक ऐलान पिछले साल दिवाली के मौके पर किया गया था। फिल्म का टाइटल प्रोमो 'थामा' के साथ दिखाया गया था। इस प्रोमो में मुख्य किरदार को 'रक्षक', 'विनाशक' और 'सबकी मां' जैसे शब्दों के साथ पेश किया गया था। फिल्म को पॉपुलर हॉरर यूनिवर्स की अगली कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

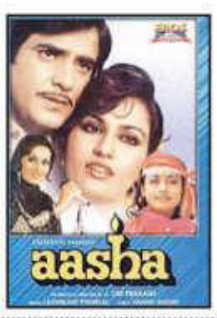


भक्ति के चमत्कार ने खूब भरी है बॉलीवुड की झोली

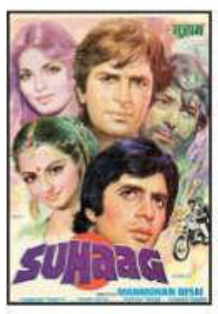
धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब मूवी बनती हैं, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस मूवी का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड में स्तुति हुई है पर कुछ को अधिक समय दिया गया है। मां दुर्गा या उसके दूसरे रूपों को बॉलीवुड ने न सिर्फ फेमस किया बल्कि उनकी लोकप्रियता को खूब भुनाया। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें एक गीत या भजन ने जान डाल दी। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' ऐसी फिल्मों में सबसे ऊपर हैं।



बॉलीवुड में सिर्फ हीरो-हीरोइन के प्रेम और मारपीट या मिलने-बिछड़ने तक की प्रतिस्पर्धा रही, यह सोचना गलत है। इसके निर्माताओं की झोली में हमेशा से शक्ति की भक्ति भरी रहती है। जब कभी उसे लगा कि रुपहले पर्दे पर भीड़ खींचनी है, तो वह मां को पुकारता चला जाता है। कभी उसने शेरावाली को पुकारा तो कभी दुर्गा, कभी माता संतोषी तो कभी वैष्णों को। एक समय ऐसा आया जब घर-घर में टेप-रिकॉर्ड चलते थे। तब तो भक्ति और माता की भक्ति की ऐसी भीड़ पड़ी कि बस हर कहीं माता के जगराते या नृत्य प्रधान गीत आ गए। अगर कुछ बचा तो वह यात्राओं के नाम पर आया। बॉलीवुड कलाकारों ने इसे जमकर भुनाया। समीक्षक मानते हैं कि ये सिर्फ गीत नहीं थे, ये तो मायापुरी अथवा बॉलीवुड की वह डोर थी, जिसने बुकिंग विंडो पर मारपीट तथा रोमांस के साथ ही भक्ति को भी भुनाया। हर कहीं एक ही आवाज गूंजती थी-जय माता दी, जय शेरों वाली।



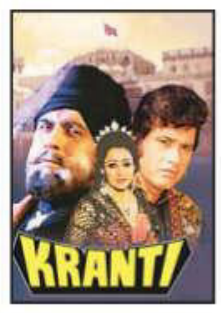
माता दुर्गा के तमाम रूप हैं, जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने पेश किया। फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौरपर भक्तों को भक्ति में रमा दें। अवतार, वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने धूम मचा दी। राजेश खन्ना तथा शबाना आजमी ने इसमें ऐसे माता-पिता का रोल किया, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता रानी के द्वार पर जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का खास पार्ट बना। नरेन्द्र चंचल, महेन्द्र कपूर तथा आशा भौसले ने जिस शिद्दत से 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', गाया वह आज 33 वर्षों बाद भी मन को मोह लेता है। अब तक के शक्ति की भक्ति के गीतों में इसे हमेशा सबसे पहले ही सुना जाता है। पूरे नवदुर्गा में चाहे वह चैत्र के हों या शारदीय के इसकी मधुर ध्वनि हर कहीं भक्ति का माहौल पैदा करती है।



असल में इस गीत में जितनी कशिश है, उससे अधिक मां के प्रति भक्ति भावना है। एक मां धरती पर और दूसरी ब्रह्मांड में, दोनों ने ही मां की श्रद्धा को तप तक पहुंचा दिया। इससे पहले सन 1980 में आई मूवी 'आशा', जितेन्द्र तथा रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेन्द्र चंचल ने मोहम्मद रफी के साथ माता की जो अरदास लगाई है वह कम लोकप्रिय नहीं हुई। आज चाहे माता वैष्णो के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों पर भक्त, हर कहीं इसका गीत 'तूने मुझे बुलाया शेरोंवालिए मैं आया मैं आया ज्योता वालिए..' सुनाई पड़ता है। भक्त इसे न सिर्फ भक्ति भावना प्रदर्शन के लिए गाते हैं बल्कि थकान को हराने के लिए भी प्रदर्शित करते हैं। यूं यह मूवी आशा में भी पूरी तरह इसी रूप में पिक्चराईज हुआ है।



'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था और सिनेमा का वह दौर था जब गांव गांव में फट्टा टाकीज लगते थे। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की प्रमुखता वाली इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भौसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑलटाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको जमकर सुना और प्रस्तुत किया जाता है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की ढम ढम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां,अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां..' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला जब यह मूवी आई। खिलाड़ियों का खिलाड़ी का गीत इसी से मिलता हुआ था- मां शेरावालिए तेरा शेर आ गया।



फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केन्द्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी'। इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे काली' तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया। यदि अर्थ के आधार पर देखें तो बॉलीवुड की झोली शक्ति ने खूब भरी और जब भी शक्ति की उपासना हुई तो याद बॉलीवुड के गीत भी खूब आए।

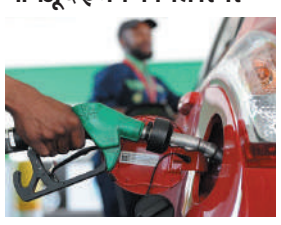
संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं



नई दिल्ली। देश में सोने और चांदी की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले दिनों बढ़त दर्ज करने के बाद सोने के भाव स्थिर हैं, जबकि चांदी लगातार दूसरे दिन पुराने स्तर पर बनी हुई है। इससे पहले दो दिनों में सोने के दाम में बड़ी गिरावट आई थी। वहीं, चांदी की कीमत भी दो दिन में 10,000 रुपये प्रति किलो तक नीचे आ गई थी। इस तरह बीते 11 दिनों में चांदी कुल 15,000 रुपये सस्ती हुई है। बाजार में कीमतों पर कच्चे तेल की तेजी, महंगाई की आशंका और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर देखा जा रहा है। 24 अक्टूबर को 24 कैरेट सोने के 10 ग्राम की कीमत में 100 रुपए और 22 कैरेट सोने के भाव में भी 100 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी।

कच्चे तेल में उछाल के बावजूद ईंधन कीमतें स्थिर



नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल के बावजूद भारतीय उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली है। रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई सहित देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित बने रहे, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 116 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा था। देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। इसी तरह मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और पटना जैसे अन्य प्रमुख शहरों में भी दरें जस की तस रहीं। शहरों में कीमतों का अंतर स्थानीय करों और अन्य लागतों के कारण बना हुआ है।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं



नई दिल्ली। घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में शनिवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 1 अक्टूबर को बढ़ोतरी हुई थी। उस समय अलग-अलग शहरों में इसके दाम करीब 62 रुपये से 72 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में आखिरी बार जून 2026 में बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में शहर के हिसाब से अंतर देखने को मिलता है।

शेयर बाजार समीक्षा : बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में दो फीसदी से अधिक की गिरावट रही

फेड रिजर्व की बैठक और कच्चे तेल पर रहेगी निवेशकों की नजर

■ मुंबई



घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में दो फीसदी से अधिक की गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कच्चे तेल की कीमत और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। अगले सप्ताह सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी, मारुति सुजुकी, हिंदुस्तान यूनीलिवर, इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल और एनटीपीसी के दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी होने वाले हैं। साथ ही सितंबर माह के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी किए जाएंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 27 और 28 अक्टूबर को होने वाली है। निवेशकों की नजर इस बैठक पर भी रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने से पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में गिरावट रही। पश्चिम एशिया संकट गहराने से लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा सप्ताहांत तक 117 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इसने घरेलू बाजारों पर दबाव बनाया और प्रमुख सूचकांकों से अधिक दबाव वृहत बाजार पर दिखा। आने वाले सप्ताह में भी कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव का असर देखा जाएगा। गत सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,605.44 अंक (2.15 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 73,123.83 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 22,600 अंक पर रहा।

कोटक महिंद्रा बैंक ने 3.57 प्रतिशत, टाइटन ने 3.39, इंडिगो ने 3.24, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 2.47, इटरनल ने 2.46, अडानी पोर्ट्स ने 2.27 और आईटीसी ने 2.21 प्रतिशत का नुकसान उठाया। मारुति सुजुकी का शेयर 1.94 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.65, पावरग्रिड का 1.49 और एशियन पेंट्स का 1.20 फीसदी नीचे बंद हुआ। सन फार्मा का शेयर 0.97 प्रतिशत, भारती एयरटेल का 0.79, इंफोसिस का 0.61, भारतीय स्टेट बैंक का 0.49 और आईसीआईसीआई बैंक का 0.13 प्रतिशत फिसल गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर सबसे अधिक 3.34 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। टीसीएस में 2.64 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.26, एलएंडटी में 0.36 और टेक महिंद्रा में 0.08 फीसदी की तेजी रही।

ट्रेंट और एनटीपीसी समेत दिग्गज शेयरों में भारी गिरावट

वृहत बाजार में बिकवाली अधिक रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 5.19 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 7.27 प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर लाल निशान में रहे। सप्ताह के दौरान ट्रेंट का शेयर सबसे अधिक 8.19 प्रतिशत गिर गया। एनटीपीसी में 5.85 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 5.63 और बजाज फाइनेंस में 5.59 फीसदी की गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक का शेयर 4.94 प्रतिशत, टाटा स्टील का 4.76, बजाज फिनसर्व का 4.66, बीईएल का 4.51 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 4.11 प्रतिशत टूट गया।

दिल्ली घरेलू थोक जिंस बाजार साप्ताहिक समीक्षा

शकर एक सप्ताह में 54 रुपए महंगी, चावल-गेहूं व दालों में तेजी







■ नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ चावल, गेहूं और दालों के दाम भी बढ़ गए जबकि खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। त्योहारी मांग आने से चीनी में लगातार तीसरे सप्ताह तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 54 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,443 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गुड़ भी 32 रुपये महंगा हुआ। खुदरा बाजार में भी चीनी में 73 पैसे प्रति किलोग्राम की औसत बढ़त रही।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत तीन रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,315 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं की कीमत 20 रुपये बढ़कर 2,910 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आटा भी 28 रुपये महंगा हुआ और 3,377 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 98 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चना दाल 86 रुपये और उड़द दाल 51 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत 31 रुपये और मसूर दाल की 10 रुपये बढ़ गई। बीते सप्ताह सरसों तेल औसतन 110 रुपये और मूंगफली तेल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति में 38 रुपये और सोया तेल में 22 रुपये की तेजी रही। वहीं, पाम ऑयल 20 रुपये फिसल गया। सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस पर ही स्थिर रही। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे।

दाल-दलहन: दाल चना 8,580.21 रुपये, मसूर काली 8246.95 रुपये, मूंग दाल 10513.83 रुपये, उड़द दाल 11681.61 रुपये, तुअर दाल 12362.22 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2910.17 रुपये और चावल 4315.47 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3377.41 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 5442.61 रुपये और गुड़ 5968.50 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।



खाद्य तेल : सरसों तेल 19573.30 रुपये, मूंगफली तेल 19932.51 रुपये, सूरजमुखी तेल 18227.99 रुपये, सोया तेल 15829.08 रुपये, पाम ऑयल 14464.31 रुपये और वनस्पति 15965.35 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

टायरों के दामों में 4 से 5 प्रतिशत होगी बढ़ोतरी

■ नई दिल्ली



देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर ढुलाई महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं।

कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है। उनके अनुसार, दूसरी तिमाही में कच्चे माल की लागत पहली तिमाही के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई।

एफपीआई ने अक्टूबर में बाजार से निकाले 39,843 करोड़

■ मुंबई

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय पूंजी बाजार से 39,842.56 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। शुद्ध निकासी बाजार में लगाई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में बिकवाल बने हुए हैं। सितंबर में उन्होंने 58,443 करोड़ रुपये बाजार से निकाले थे।



केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में अब तक एफपीआई ने 48,056 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में उन्होंने अपना निवेश बढ़ाया है। एफपीआई ने डेट में शुद्ध रूप से 1,453 करोड़ रुपये की बिकवाली की। हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश 173 करोड़ रुपये कम हुआ है। म्यूचुअल फंड में इस महीने उनके निवेश में 9,839 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। इस साल अब तक एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 2,45635 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 3,08,359 करोड़ रुपये निकाले हैं। डेट और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश कम हुआ है जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश बढ़ा है।

देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक बनी हीरो स्प्लेंडर

■ नई दिल्ली



सितंबर 2026 में हीरो स्प्लेंडर ने एक बार फिर देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली मोटरसाइकिल बन गई। बीते महीने में स्प्लेंडर की 4,31,279 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 12.49 प्रतिशत अधिक हैं। यह आंकड़े देश की शीर्ष 10 मोटरसाइकिलों की कुल बिक्री में अकेले स्प्लेंडर की लगभग 38 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्शाते हैं। होंडा शाइन 1,89,941 यूनिट्स के साथ दूसरे स्थान पर रही, जिसमें 2.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बजाज पल्सर 1,36,313 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 12.51 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। शीर्ष पांच में हीरो एचएफ डीलक्स 1,14,064 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही, लेकिन इसकी बिक्री में मामूली गिरावट आई। टीवीएस अपाचे ने 61,148 यूनिट्स की बिक्री के साथ पांचवां स्थान हासिल किया और 14.67 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 ने 47,286 यूनिट्स के साथ छठा स्थान प्राप्त किया और इसकी बिक्री में 16.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

होंडा सीबी यूनिकॉर्न ने 46,468 यूनिट्स की बिक्री के साथ सबसे प्रभावशाली 43.59 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जो सूची में सबसे अधिक है। यह मॉडल बाजार में मजबूत वापसी का संकेत देता है। दूसरी ओर, बजाज प्लेटिना की बिक्री में सबसे बड़ी गिरावट (39.04 प्रतिशत) दर्ज की गई, जो 37,952 यूनिट्स के साथ आठवें स्थान पर रही।

रोल्स रॉयस ने चेन्नई में खोला लग्जरी शोरूम

■ दक्षिण भारत में बिसपोक अनुभव को मिलेगा नया आयाम

■ चेन्नई



रोल्स रॉयस मोटर कार्स ने चेन्नई में अपना नया, भव्य लग्जरी शोरूम खोलकर भारत के सबसे गतिशील बाजारों में से एक में अपनी वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है। यह कदम कंपनी की भारत के प्रति गहरी और ऐतिहासिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अब चेन्नई और पूरे दक्षिण भारत के ग्राहकों को अद्वितीय बिसपोक कार निर्माण का अनुभव प्रदान करेगा। इस नए शोरूम के उद्घाटन समारोह में रोल्स रॉयस मोटर कार्स के सेल्स एंड ब्रांड डायरेक्टर, जूलियन जेनकिंस शामिल हुए, जिन्होंने कंपनी के इस महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला।

यह विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया शोरूम चेन्नई और दक्षिण भारत के ग्राहकों को उनकी पसंद के अनुसार तैयार की गई (बिस्पोक) कारों के निर्माण के लिए एक अद्वितीय और व्यक्तिगत माहौल प्रदान करेगा। कंपनी के लिए भारत एक सबसे पुराना और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार रहा है, और यह नया शोरूम इस रिश्ते को और गहरा करता है। जूलियन जेनकिंस ने भारत के साथ रोल्स रॉयस के एक सदी से भी अधिक पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा, रोल्स रॉयस के इतिहास में भारत का एक खास स्थान है। भारतीय ग्राहकों ने हमेशा कुछ सबसे शानदार और कल्पनाशील कारों को तैयार करवाया है, जिससे व्यक्ति की अपनी पहचान और पसंद को दर्शाने वाली एक शानदार विरासत बनी है।

यह नया शोरूम रोल्स रॉयस की लग्जरी के असली केंद्र के रूप में पहचान और भारत के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रोल्स रॉयस मोटर कार्स चेन्नई की एक डीलर ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, एक दशक से भी अधिक समय से, रोल्स रॉयस मोटर कार्स के साथ हमारा रिश्ता भरोसे और उत्कृष्टता की साझा चाहत पर टिका है। यह नया शोरूम विशेष रूप से चेन्नई और दक्षिण भारत के ग्राहकों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

यह स्थान ग्राहकों की कल्पनाशीलता को जगाने, उनकी व्यक्तिगत पहचान का जश्न मनाने और उन्हें एक बेहतरीन बिस्पोक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहां वे अपनी सपनों की कार को वास्तविकता में बदल सकते हैं। यह अत्याधुनिक शोरूम दक्षिण भारत में रोल्स रॉयस की पहुंच और सेवा को मजबूत करेगा, जिससे इस क्षेत्र के विशिष्ट ग्राहक व्यक्तिगत लग्जरी के सर्वोच्च स्तर का अनुभव कर सकेंगे।

कम बजट वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर के कई आकर्षक विकल्प मौजूद

■ नई दिल्ली



भारतीय बाजार में कम के बजट में इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने की सोच रहे ग्राहकों के लिए कई आकर्षक विकल्प मौजूद हैं। ओला, बजाज, हीरो के विडा ब्रांड, एम्पीयर और प्योर ईवी जैसे प्रमुख निर्माताओं के मॉडल इस श्रेणी में आते हैं, जो अलग-अलग रेंज और विशेषताओं के साथ उपलब्ध हैं। ये स्कूटर न केवल रोजमर्रा की आवाजाही के लिए सुविधाजनक हैं, बल्कि पेट्रोल पर होने वाले खर्च को भी कम करने में मदद कर सकते हैं। ग्राहकों को अपनी जरुरत और प्राथमिकताओं के आधार पर सही विकल्प चुनना चाहिए ताकि वे अधिकतम बचत और सुविधा का लाभ उठा सकें। ओला एस1 जेड की शुरुआती कीमत लगभग 79,999 रुपये है और यह 179 किलोमीटर तक की दावा की गई रेंज प्रदान करता है। इसकी अधिकतम रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटा है।

बजाज चेतक सी2501, जिसकी कीमत करीब 99,802 रुपये से शुरु होती है, 113 किलोमीटर की रेंज देता है और इसमें तीन राइड मोड के साथ पांच साल या 70,000 किलोमीटर की वारंटी मिलती है। हीरो विडा वीएक्स 2 गो 3.4 की कीमत करीब 95,000 रुपये है और इसकी खास बात इसकी हटाई जा सकने वाली बैटरी है, जो 146 किलोमीटर की रेंज देती है। एम्पीयर मैग्नस नियो 90,999 रुपये में उपलब्ध है और 125 किलोमीटर की रेंज का दावा करता है, जबकि प्योर ईवी एट्रान्स नियो एसएक्स की कीमत 84,836 रुपये है और यह 101 किलोमीटर तक की रेंज के साथ 10 साल की विस्तारित वारंटी का वादा करता है।

डिजिटल लेनदेन : आमजन के लिए सतर्कता जरूरी, घोषित आय और जमा राशि में बड़ा अंतर दिखने पर हो सकती है पूछताछ

बड़े यूपीआई लेनदेन से आ सकते हैं आय कर के दायरे में!

■ नई दिल्ली

आजकल डिजिटल लेनदेन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं, खासकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)। कई लोगों को यह चिंता सताती है कि बड़े या लगातार डिजिटल भुगतान कहीं उन्हें आयकर विभाग के नोटिस के दायरे में न ला दें। हालांकि, केवल यूपीआई लेनदेन अपने आप में नोटिस का कारण नहीं बनते। आयकर विभाग की नज़र आपकी घोषित आय और बैंक खाते में जमा कुल रकम के बीच बड़े अंतर पर होती है। आपके बैंक खाते में बड़ी रकम का जमा होना या यूपीआई के जरिए लगातार पैसे आना अपने आप में आयकर नोटिस का सीधा कारण नहीं है। आयकर विभाग



मुख्य रूप से आपकी घोषित आय और आपके खाते में आने वाली कुल रकम के बीच बड़े अंतर को देखता है। यदि यह अंतर काफी ज़्यादा होता है, तो विभाग आपसे पैसों के स्रोत के बारे में जानकारी मांग सकता है।

आयकर विभाग के स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस (एसएफटी) नियमों के तहत, बैंकों को एक वित्त वर्ष में बचत खाते में 10 लाख रुपये या उससे अधिक और चालू खाते में 50 लाख रुपये या उससे अधिक की नकद जमा राशि की रिपोर्ट करनी होती है। हालांकि, यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस और आईएमपीएस जैसे डिजिटल लेनदेन के लिए ये नकद जमा सीमाएं सौधे लागू नहीं होती। डिजिटल लेनदेन के मामले में, विभाग समग्र आय और लेनदेन पैटर्न का विश्लेषण करता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति सालाना 12 लाख रुपये की आय घोषित करता है, लेकिन उसके बैंक खाते में पूरे साल 40 लाख रुपये जमा होते हैं, तो यह विसंगति विभाग का ध्यान आकर्षित कर सकती है। इस अतिरिक्त रकम का स्रोत पूछा जा सकता है। यह रकम परिवार या दोस्तों से मिली हो सकती है, जो हमेशा कर योग्य नहीं होती, लेकिन इसके लिए आपको स्पष्ट प्रमाण देना होगा। अस्पष्ट लेनदेन से बचें कई बार लोग दोस्तों, रिश्तेदारों या सामूहिक खरीदारी के लिए पैसा अपने खाते में लेकर तुरंत आगे ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसा करना अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन बार-बार बड़ी रकम प्राप्त करके उसे तुरंत आगे भेजने पर लेनदेन की प्रकृति के बारे में सवाल उठ सकते हैं, खासकर यदि सोत अस्पष्ट हो। सिर्फ पैसे आगे भेज देने से आपकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती।

नोटिस से बचने के मुख्य बिंदु

- आयकर नोटिस से बचने का सबसे अच्छा तरीका पारदर्शिता और सही रिकॉर्ड रखना है।
- बैंक स्टेटमेंट, भुगतान की रसीदें, इनवॉइस और पैसों के स्रोत से जुड़े सभी दस्तावेज़ सुरक्षित रखें।
- अपनी वास्तविक आय को आईटीआर में सही तरीके से दिखाएं।
- अपने निजी लेनदेन और कारोबारी कमाई को अलग-अलग पहचानें। फ्रीलांसरों, ट्यूशन पढ़ाने वालों और छोटे व्यापारियों को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। उन्हें अपने कारोबार या सेवाओं के बदले मिलने वाली रकम के लिए बिल जारी करने चाहिए और निजी व कारोबारी भुगतानों का अलग-अलग हिसाब रखना चाहिए।

क्वांट म्यूच्युअल फंड ने पेश किया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स

■ निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा

■ नई दिल्ली



क्वांट म्यूच्युअल फंड ने निवेशकों के लिए अपनी एक नई योजना क्वांट सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स शुरू करने की घोषणा की है। यह एक खुली-समाप्त योजना है जो उन निवेशकों को लक्षित करती है जो सीधे कमोडिटी बाजार में उतरे बिना चांदी के मूल्य में होने वाली वृद्धि का लाभ उठाना चाहते हैं। यह फंड मुख्य रूप से चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट्स में पूंजी का निवेश करेगा, जिससे निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा।

नए फंड ऑफर (एनएफओ) अवधि के दौरान निवेशक न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश शुरु कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के गुणक में कोई भी अतिरिक्त राशि लगाई जा सकती है। इस फंड का 95 से 100 प्रतिशत हिस्सा सिल्वर ईटीएफ में लगाया जाएगा, जबकि शेष 5 प्रतिशत तक नकदी और सरकारी ऋण पत्रों में रखा जाएगा ताकि दैनिक तरलता बनी रहे। फंड का प्रदर्शन घरेलू बाजार में भौतिक चांदी की कीमतों के आधार पर मापा जाएगा। इस योजना में निवेश पर कोई एंट्री शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, यदि कोई निवेशक आवंटन की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपनी यूनिट्स को वापस बेचता है, तो उस पर 1 प्रतिशत का एग्जिट लोड लागू होगा। 15 दिनों की अवधि समाप्त होने के पश्चात पैसे निकालने पर कोई शुल्क देय नहीं होगा। फंड का प्रबंधन एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाएगा जो बाजार के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए परिसंपत्तियों का आवंटन करेगी।